✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 10 अंक - 133

कलम लोक

बक्सर, सोमवार 14 सितम्बर 2026

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"योग्यता आपको सफलता की ऊँचाई तक पहुँचा सकती है किन्तु चरित्र आपको उस ऊँचाई पर बनाये रखती है।

भारत ने 8वीं बार जीता एशिया कप का खिताब, फाइनल में श्रीलंका को रौंदकर रचा इतिहास

दुबई (एजेंसी)।

महिला एशिया कप 2026 के फाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 72 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया है। 8वीं बार एशिया कप का खिताब जीता है। टीम इंडिया ने अब तक खेले गए ओडीआई फॉर्मेट के सभी चार खिताब अपने नाम किए हैं। इसके अलावा चार टी-20 एशिया कप के टाइटल भी फतेह किए हैं। भारत ने 2004, 2005/06, 2006 और 2008 में वनडे एशिया कप का खिताब जीता। 2012, 2016, 2022 और अब 2026 में टी-20 एशिया कप का खिताब भी अपने नाम करते हुए इतिहास रचा है।

दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने निर्धारित 20 ओवरों 183/5 रन बनाए। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम 20 ओवरों में 111 रनों पर ही सिमट गई।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अपना 8वां खिताब जीतने के इरादे से उतरी भारतीय टीम की शुरुआत दमदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की। हालांकि, शेफाली के आउट होने के बाद स्मृति भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुईं। इसके बाद ना तो कप्तान कौर का बल्ला गरजा और ना ही ऋचा घोष ने भी दम दिखाया। भारत ने आखिर में निर्धारित 20 ओवर में 183 रनों के स्कोर तक ही पहुंच सका। शेफाली वर्मा ने 39 गेंदों में 68 रनों की पारी खेली। इस मैच में उन्होंने 9 चौके और 2 छक्के जड़े और 174 से अधिक की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। उन्हें चामुदी ने आउट किया। शेफाली वर्मा के बाद अब स्मृति मंधाना भी आउट हो गई हैं। उन्होंने 39 गेंदों में 59 रनों की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल थे। 151 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। स्मृति मंधाना अपनी ही गलती और बड़े ब्लंडर की वजह से रन आउट हुईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शॉट खेला गेंद पॉइंट के फील्डर के पास गई और स्मृति हरमन के ना करने पर भी रन भाग गईं। लिहाजा उन्हें अपना कीमती विकेट गवांना पड़ा। कौर ने 14 (14), ऋचा घोष ने 17 (13), दीप्ति शर्मा ने 5, भारती फुलमाली ने 2 रन बनाए। अंत में जी कमलिनी 5 गेंदों में 15 रन बनाकर स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया।

184 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। 4 रनों के स्कोर पर श्रीलंका का पहला विकेट गिरा। इसके बाद कप्तान चमारी अथापथु ने मोर्चा संभाला। स्कोर को 50 रनों के पार पहुंचाया। हालांकि, दीप्ति शर्मा ने पारी के 10वें ओवर में 2 विकेट लेकर मैच का पासा पलट दिया। इसके बाद श्री चरणी ने मोर्चा संभाला। शेफाली वर्मा ने भी बाद में पार्टी जॉइन की। श्रीलंका की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में 111 रनों के स्कोर पर आउट हो गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किया। श्री चरणी ने और भी बेहतर गेंदबाजी की और 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। प्रेमा रावत, शेफाली वर्मा और क्रांति गौड़ को एक-एक विकेट मिले।

भारत और श्रीलंका की टीमें टूर्नामेंट के इस संस्करण में फाइनल से पहले अपराजेय रही थीं। भारत ने बांग्लादेश को सेमीफाइनल में हराकर खिताबी मुकाबले में एंट्री मारी थी। वहीं, श्रीलंका की टीम रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को शिकस्त देकर फाइनल में पहुंची थी। पिछली बार जब 2024 में दोनों टीमों एशिया कप के फाइनल में एक-दूसरे के सामने थीं, तब श्रीलंका ने खिताबी मुकाबला अपने नाम किया था। फाइनल में 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था, लेकिन श्रीलंका ने आठ विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की थी। हालांकि, इस बार टीम इंडिया ने 2024 की हार का बदला ले लिया है और 8 विकेट से करारी शिकस्त दी है।

टीम इंडिया का मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार

भारत ने महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया ने 8वीं मरतबा यह खिताब जीता। हालांकि, दुबई से भारत को बिना ट्रॉफी के ही स्वदेश लौटना पड़ेगा। टीम इंडिया ने मोहसिन नकवी के हाथ से एशिया कप की ट्रॉफी लेने से मना कर दिया है।

बहुत देर तक ड्रामा चला है। पोडियम पर मोहसिन नकवी खड़े रहे। टीम इंडिया मैदान में रुकी रही। बाद में जब भारतीय महिला टीम नहीं मानी तो आखिर बेआबरू होकर नकवी ने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया। वह तेज कदमों से चलते हुए मैदान से बाहर गए और बाद में अपनी कार में सवार होकर जाते देखे गए। हालांकि, इस बार यह कन्फर्म नहीं हुआ है कि वह ट्रॉफी अपने साथ लेकर गए हैं या नहीं। इसी तरह की घटना 28 सितंबर, 2025 को भी हुई थी। उस वक्त भारत ने पाकिस्तान को मात देकर एशिया कप पर कब्जा जमाया था। लेकिन मैच के बाद टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथी खिलाड़ियों ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। इसके बाद नकवी टीम इंडिया की ये ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए। भारतीय टीम ने फिर बिना कप उठाए ही जश्न मनाया। मोहसिन नकवी की इस हरकत पर तब बहुत बवाल मचा था।

सामने बैठे थे जिनपिंग, पीएम मोदी ने दे डाली चेतावनी

क्रिटिकल मिनरल्स को हथियार न बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी देश का नाम लिए बिना वैश्विक मंच पर एक बेहद सख्त और रणनीतिक संदेश दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में पीएम मोदी ने तकनीक और क्रिटिकल मिनरल्स (दुरुह खनिजों/रेयर अर्थ) को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि तकनीक के इस्तेमाल में समावेशिता होनी चाहिए, न कि किसी देश का एकाधिकार।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों पर नियंत्रण कसने से दुनिया के साझा विकास और प्रगति की रफ्तार थम सकती है। भले ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में चीन का नाम नहीं लिया, लेकिन कूटनीतिक हलकों में इसे सीधे तौर पर बीजिंग के लिए संदेश माना जा रहा है।

चीन के पास दुनिया के 90% से अधिक रेयर अर्थ की रिफाइनिंग क्षमता है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, एआई डेटा सेंटर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर बनाने में इस्तेमाल होने वाले इन खनिजों पर चीन का एक छत्र राज है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर के दौरान चीन ने कई बार एडवांस तकनीक में इस्तेमाल होने वाले इन रेयर अर्थ खनिजों के निर्यात पर पाबंदियां लगाई हैं। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि किसी भी एक देश द्वारा इन संसाधनों को कूटनीतिक या व्यापारिक हथियार बनाना 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) की प्रगति में बाधा उत्पन्न करता है।

मदरसों पर टूटा कहर, 250 से ज्यादा बंद करने का आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार का राज्य के मदरसों पर कहर टूटा है। 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया गया है और करीब 100 दूसरे मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा है। यह आदेश राज्य भर में हुए सर्वे के बाद दिया गया है, जिसमें पाया गया कि ऐसे कई संस्थानों के पास जरूरी मंजूरी और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के मंत्री क्षुदीराम टुडू ने कहा कि जिन मदरसों के पास जरूरी मंजूरी है, वे चलते रहेंगे।

जून की शुरुआत से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में सरकारी और प्राइवेट मदरसों के इंफ्रास्ट्रक्चर, मंजूरी की स्थिति और मैनेजमेंट सिस्टम का आकलन करने के लिए विभाग ने फील्ड-लेवल सर्वे किया था।

बार-बार मिल रही थी शिकायतें

राज्य के पंचायती राज मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि मदरसों को लेकर कई विवाद हुए हैं और दावा किया कि कई मामलों में चरमपंथी गतिविधियों में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किए गए लोग ऐसे कुछ संस्थानों में शिक्षक के तौर पर काम करते पाए गए। उन्होंने कहा, 'मदरसों के खिलाफ बार-बार शिकायतें मिल रही थीं। मदरसों से देश विरोधी गतिविधियां करने वाले लोगों के मामले सामने आए हैं।'

मस्जिद की तरफ से जाना मना, शोभायात्रा पर रोक; गणेश यात्रा पर फरमान से भड़का गुस्सा

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक में गणेशोत्सव पर पुलिस के फरमान से गुस्सा भड़क उठा है। पुलिस के निर्देशों को लेकर भाजपा ने सत्ताधारी कांग्रेस के ऊपर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया है। असल में कर्नाटक के मैसूर में एक पुलिस अधिकारी ने गणेश उत्सव के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इसके मुताबिक केवल शांतिपूर्ण जुलूस निकालना है। जुलूस लेकर मस्जिद की तरफ से जाने और पटाखे ना फोड़ने की बातें भी कही गई हैं। वायरल

वीडियो में पुलिस अधिकारी ऐसा करने वालों को ठीक कर देने की बात कह रहा है। इसको लेकर कर्नाटक भाजपा, सत्ताधारी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। भाजपा का यह भी दावा है कि माहौल खराब करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने शिवकुमार सरकार पर दिखावटी हिंदुत्व की राजनीति करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्हें चुनावी हिंदू करार दिया। अशोक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री चुनाव के दौरान ही मंदिरों में जाते हैं और खुद को हिंदू के रूप में दिखाते हैं। उन्होंने गणेशोत्सव के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंधों की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि मस्जिदों के मामले में इसी तरह के प्रतिबंध लागू नहीं किए जा रहे हैं। अशोक ने कहा कि वह पुलिस के कथित बर्ताव के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए टी. नरसीपुर जाएंगे। उन्होंने इसे पूरे कर्नाटक के अधिकारियों के लिए चेतावनी की घंटी बताया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर राज्य में तालिबान शैली का शासन करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि श्रद्धालुओं को सुरक्षा देने के बजाय उन्हें धमकाया जा रहा है।

पूछा-यह कैसा न्याय है?

भाजपा नेता ने यह भी कहा कि यदि राज्य में कहीं भी गणपति उत्सव मनाने में अधिकारियों द्वारा परेशानी पैदा की गई तो वह उस स्थान पर जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार त्योहार को लेकर एकतरफा रवैया अपना रही है। उन्होंने टी. नरसीपुर में गणेशोत्सव के आयोजकों को कथित तौर पर धमकाने वाले एक पुलिस अधिकारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की। अशोक ने कहा कि अगर हिंदुओं से कहा जा रहा है कि वे अपने ही देश में खुले तौर पर और श्रद्धापूर्वक गणेशोत्सव नहीं मना सकते, तो हम इस सरकार से क्या कहें? पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ, बोलो मत- यह कैसा न्याय है?

गंगा नदी में पलटी नाव, बीएसएफ के बहादुर जवानों ने डूब रहे दस बांग्लादेशियों को बचाया

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 10 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने बचा लिया। ये लोग भारत-बांग्लादेश सीमा के पास गंगा नदी में नाव पलटने से डूब रहे थे। बचाए गए लोगों में महज 30 दिन का एक बच्चा, दो अन्य बच्चे और तीन महिलाएं भी शामिल हैं। यह घटना शनिवार शाम की है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी लोग नदी में नाव पलटने के बाद पानी में बहते हुए भारतीय सीमा की तरफ आ गए थे। समय रहते बीएसएफ के जवानों की नजर उन पर पड़ गई और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि 71वीं बटालियन के जवान मुर्शिदाबाद में खंडुआ सीमा चौकी के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें नदी में कुछ लोगों के मदद के लिए पुकारने और परेशान हालत में होने की जानकारी मिली। जवानों ने बिना देर किए तेज रफ्तार वाली नाव से नदी में उतरकर बचाव अभियान शुरू किया। नदी का बहाव तेज था और सभी लोग पानी में डूबने की हालत में थे।

कर्नाटक में बीजेपी को बड़ा झटका, पूर्व एमएलए डीके शिवकुमार ने थामा कांग्रेस का हाथ

बंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक की सियासत में रविवार को एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। भाजपा के पूर्व विधायक एनएल नरेंद्र बाबू कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ली। नरेंद्र बाबू ने एक दिन पहले यानी शनिवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के कर्नाटक ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने साफ कहा था कि वे कांग्रेस में वापस जा रहे हैं। यह सियासी घटना ऐसे समय हुई है जब राज्य में भाजपा से कांग्रेस की तरफ कुछ नेताओं के जाने की चर्चा तेज है।

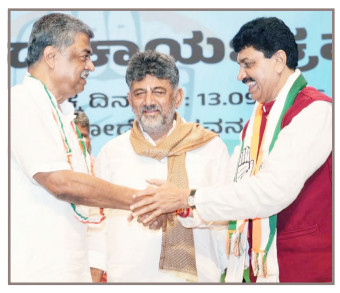

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस मौके पर कहा कि सिर्फ नरेंद्र बाबू ही नहीं, भाजपा के कई और नेता भी कांग्रेस से संपर्क में हैं। उन्होंने दावा किया कि इनमें केंद्र स्तर के नेता भी शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि पार्टी ने जिला स्तर के कांग्रेस नेताओं को जिम्मेदारी दी है। जो लोग कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं, उनकी सूची तैयार की जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि जो लोग कांग्रेस की विचारधारा और पार्टी के उच्च नेतृत्व पर भरोसा रखते हैं, उन्हें साथ लेकर काम किया जाएगा और मौका भी दिया जाएगा।

शिवकुमार ने इस राजनीतिक बदलाव को सिर्फ नेताओं तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने युवा पीढ़ी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश बहुत महत्वपूर्ण है और युवा पीढ़ी अब कांग्रेस की तरफ देख रही है। उनके अनुसार, भाजपा को पिछले 13 साल मौका दिया गया। अब युवा कांग्रेस से उम्मीद लगा रहे हैं। शिवकुमार की इस बात से लगता है कि कांग्रेस कर्नाटक में और नेताओं को अपनी तरफ लाने की कोशिश कर रही है। पार्टी को उम्मीद है कि नरेंद्र बाबू के आने के बाद राज्य में और भाजपा नेता भी कांग्रेस से जुड़ सकते हैं।

इस सदी में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : अमेरिकी अर्थशास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के जाने-माने अर्थशास्त्री और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने भारत की आर्थिक क्षमता को लेकर बड़ा अनुमान जताया है। उनका मानना है कि आने वाले दशकों में भारत और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं बन सकते हैं और इस बदलाव से वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र एक बार फिर एशिया की ओर जा सकता है। एक इंटरव्यू में सैक्स ने कहा कि भारत और चीन के बीच बेहतर सहयोग दुनिया को एक ऐसी व्यवस्था की ओर ले जा सकता है, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो, बल्कि कई बड़ी शक्तियां मिलकर वैश्विक फैसलों में भूमिका निभाएं। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। सैक्स के मुताबिक अगले 25 साल से भी कम समय में भारत और चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि इस दौर में अमेरिका तीसरे स्थान पर रह सकता है, जबकि इस सदी के किसी चरण में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता रखता है।

सीएम सम्राट चौधरी का ऐलान

बिहार के प्रोफेसरों की ऑक्सफोर्ड में होगी ट्रेनिंग

पटना (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया है। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि राज्य के सहायक प्रोफेसर ऑक्सफोर्ड समेत विदेशों के अन्य मशहूर विश्विद्यालयों में ट्रेनिंग लेंगे। मुख्यमंत्री रविवार को बापू सभागार में 211 नये डिग्री कॉलेजों में नवनियुक्त शिक्षकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि जबतक कॉलेज में आकर बच्चे पढ़ेंगे नहीं, तबतक इस संस्थान का महत्व नहीं होगा। कॉलेज में पढ़ने विद्यार्थी जरूर आयें, इसे सुनिश्चित करायें। 75 प्रतिशत न्यूनतम हाजिरी हो1नी ही चाहिए। नहीं तो सरकार की बड़ी तैयारी सफल नहीं होगी। इसको लेकर हमारी टीम भी काम करेगी। उन्होंने कहा कि लाइव क्लासेज की भी व्यवस्था शुरू करें। यह भी कहा कि राज्य के डिग्री कॉलेजों में भी खुला विश्वविद्यालय की मान्यता सरकार देगी।

इस मौके पर बिहार की शिक्षा व्यवस्था को वर्ल्ड क्लास बनाने को लेकर सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया। सीएम ने कहा कि 100 प्रोफेसरोंं को ऑक्सफोर्ड समेत दुनिया के बड़े विश्वविद्यालयों में ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। सबका खर्ज राज्य सराकर वहन करेगी। यह ट्रेनिंग एक महीने की होगी। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बेहतर शिक्षा का सपना तब ही पूरा होगा जब हम अपनी तमाम चीजों को स्थापित करने का काम करेंगे। उसमें यह भी एक व्यवस्था है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की चीजों को हम कैसे इसमें जोड़ें। मैं जरूर कहूंगा कि 100 लोगों को चिन्हित करें जिनको ऑक्सफोर्ड में भेजकर वहां से भी कोर्स कराने का काम करें। तब तो हम दुनिया के मानक पर आ पाएंगे। सीएम ने आगे कहा कि दुनिया में जहां कहीं भी अच्छे संस्थान हैं वहां से जोड़ना हमारे बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देगा। एक जमाना था जब हमने क्वालिटी के साथ क्वांटिटी को लेकर समझौता किया। बड़ी संख्या में लोग पढ़ने लगे। अब क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों ही साथ चलाना होगा। इसलिए दुनिया में जहां भी अच्छे यूनिवर्सिटी हैं।

उन्होंने कहा कि मैं शिक्षकों से आग्रह करूंगा कि अगर आप लोगों को लगता है कि दुनिया में कहीं कोई अच्छा संस्थान है तो उसका सुझाव विभाग को दें। वैसे 10 संस्थानों को हम चिन्हित करेंगे जिनसे सीधा संवाद कराने का काम बिहार सरकार अपने खर्च पर करेगी।

ब्रेकफास्ट से डिनर तक... हर वक्त भारत नहीं

ब्रिक्स की सफलता के बाद तिलमिलाया बांग्लादेश

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत महज एक और देश है और ढाका अब उसके साथ पुराने आकर्षण से आगे बढ़कर नए सिरे से द्विपक्षीय संबंध बनाना चाहता है। उन्होंने पिछले 15 वर्षों के रिश्तों को असहज बताया और कहा कि नया रिश्ता बहुपक्षीय मंचों से नहीं, बल्कि दोनों देशों की सीधी बातचीत से बनना चाहिए। विदेश मंत्रालय में पत्रकारों के ब्रिक्स से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए हुमायू कबीर ने कहा कि हम भारत के साथ एक नया रिश्ता बनाना चाहते हैं। यह काम द्विपक्षीय चर्चाओं के जरिए होना चाहिए, किसी बहुपक्षीय मंच के जरिए नहीं।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को अपनी नीति और अपनी जरूरत के हिसाब से आगे बढ़ना चाहिए। इस दौरान उन्होंने एक तीखी टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा कि भारत में नाश्ता, भारत में दोपहर का खाना, भारत में रात का खाना; तो फिर अपना खाना कब खाएंगे? हमें भारत के प्रति इस आकर्षण से आगे बढ़ना होगा। भारत महज एक और देश है। बांग्लादेश उसके साथ अच्छे द्विपक्षीय संबंध चाहता है। इस दौरान राज्य मंत्री ने साफ किया कि उनकी पिछली टिप्पणियां खास तौर पर भारत के संदर्भ में थीं। उन्होंने कहा कि मैंने जो कहा, वह मुख्य रूप से भारत पर लागू होता है। हम भारत के साथ अच्छे द्विपक्षीय संबंध बनाना चाहते हैं।

बिहार पुलिस की महिलाओं को आरएएफ और सीपीआरएफ वाली सुविधा; पत्थर, चाकू, एसिड से भी कुछ नहीं बिगड़ेगा

पटना (संवाददाता)। बिहार की महिला पुलिसकर्मियों को आत्मरक्षा के लिए विशेष पॉलीकार्बोनेट लाठी और फुल बॉडी प्रोटेक्टर मिलेंगे। पॉलीकार्बोनेट शील्ड और दंगा नियंत्रण हेलमेट भी दिया जायेगा। बिहार पुलिस मुख्यालय ने ऐसे करीब दस-दस हजार लाठी, हेलमेट, फुल बॉडी प्रोटेक्टर और शील्ड खरीद का ऑर्डर दिया है। यह उपकरण दिसंबर तक उपलब्ध होने की उम्मीद है।

पुलिस मुख्यालय के मुताबिक, अभी तक महिला और पुरुष एक ही तरह की लाठी, बॉडी प्रोटेक्टर, बचाव शील्ड आदि का उपयोग कर रहे थे। बिहार पुलिस में करीब 36 हजार महिला बल के जुड़ने और विधि व्यवस्था में उनकी उपयोगिता को देखते हुए नये उपकरणों की खरीद का ऑर्डर दिया गया है। वर्तमान में आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) और सीआरपीएफ (सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स) में तैनात महिला जवान इनका इस्तेमाल कर रही हैं। यह पारंपरिक बांस और लाठी से बने उपकरणों की तुलना में हल्की और काफी मजबूत होती हैं। इसके अंदरूनी हिस्से में आरामदायक और पसीना सोखने वाले कुशन या 3डी मेश फैब्रिक का इस्तेमाल होता है, जिससे गर्मी और उमस में भी बेचैनी नहीं होती।

महिलाओं के लिए विशेष पॉलीकार्बोनेट लाठी भारी प्रहार झेलने पर भी टूटती या मुड़ती नहीं है। इनका वजन भी 500 ग्राम से अधिक नहीं होता। महिला पुलिसकर्मियों के लिए विशेष

फुल बॉडी प्रोटेक्टर मंगाया जा रहा है। यह महिलाओं की शारीरिक संरचना के अनुकूल होता है, जिससे मूवमेंट (दौड़ना, हाथ उठाना या वाहन चलाना) में उनको परेशानी नहीं होती। सीने या पसलियों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। आधुनिक प्रोटेक्टर महिला पुलिस कर्मियों को आग, पत्थरबाजी, चाकू के हमलों और एसिड अटैक जैसी खतरनाक स्थितियों से सुरक्षित रखेगा। पारंपरिक और भारी सुरक्षा गियर के मुकाबले इनका वजन काफी हल्का (दो से छह किग्रा तक) होता है। इसे लंबे समय तक ड्यूटी के दौरान आसानी से पहना जा सकता है।

शील्ड पकड़ने पर भी देख सकेंगी सामने की गतिविधि

पॉलीकार्बोनेट शील्ड भी मिलेगी। यह ढाल पारदर्शी होती है, जिससे पुलिसकर्मी इसके पीछे से भी सामने की स्थिति को साफ देखते हुए सुरक्षा बनाए रख सकती हैं। यह सामग्री कांच से 250 गुना अधिक मजबूत और लगभग अटूट होती है। यह ईंट, पत्थर, लाठी, रॉड या अन्य भारी वस्तुओं के प्रहार को आसानी से झेल लेती है। चेहरा, गर्दन और आंख को चोट से बचाने के लिए 10 हजार दंगा नियंत्रण हेलमेट भी मंगाये जा रहे हैं।

दूरबीन खरीद को भी मंजूरी

बिहार पुलिस ने टोही अभियानों के लिए रात्रि या अंधेरे में भी देखे जा सकने वाली 102 दूरबीनों की खरीद की मंजूरी दी है। डीएनए जांच को लेकर एक रियल टाइम पीसीआर मशीन और घटनास्थल से इकट्ठा किए गये नमूनों को जमा करने के लिए एक रेफ्रीजरेटेड सेंट्रीफ्यूज की खरीद की जा रही है।

पचास लाख तैयार रखो... सारा गोली शरीर में उतार देंगे

मुजफ्फरपुर (संवाददाता) बिहार के मुजफ्फरपुर में अज्ञात अपराधियों ने एक प्राइवेट स्कूल पर अंधाधुंध फायरिंग करके दहशत मचा दिया। जिले के कांटी थाना के पास स्थित स्कूल पर अपराधियों के तांडव से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को कांटी थर्मल के सामने स्थित चंद्रशील विद्यापीठ स्कूल की दीवार पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गई। संचालक से पचास लाख रुपए की रंगदारी के लिए बदमाशों ने स्कूल की दीवार पर पर्चा भी साटा। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई जिसमें बाइक से आए दो बदमाशों को गोलियां चलाते देखा जा रहा है। हेलमेट लगाए युवक पिस्टल से फायरिंग करते हुए सीसीटीवी में के वीडियो में दिख रहे हैं। रविवार की सुबह घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

स्कूल प्रबंधन ने मामले की सूचना कांटी पुलिस समेत वरीय पुलिस अधिकारियों को दी है। इसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया है कि रविवार तड़के करीब चार बजे स्कूल गेट पर दो बदमाश पहुंचे और रंगदारी मांगने वाला पर्चा साटा।

इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग कर निकल गए। मामले में स्कूल के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज में हेलमेट लगाए दो युवकों की पहचान की गई है। पर्चा में लिखा है कि परिचय के लिए संदेश भेज रहे हैं। पचास लाख रुपए तैयार रखो। होशियारी दिखाने की कोशिश की तो सारा गोली शरीर में उतार देंगे। पर्चा मिलने के बाद इलाके में सनसनी का माहौल है।

सब कोटा से आरक्षण कैसे खत्म होगा, संतोष सुमन ने पूछा 8 सवाल; मांझी के निशाने पर पासवान?

पटना (संवाददाता)। एससी एसटी आरक्षण में सब कोटा पर लोजपा आरवी के सुप्रीमो चिराग पासवान से टकराव के बीच जीतनराम मांझी के पुत्र और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कमजोर दलित जातियों के लिए कोटा के अंदर कोटा का विरोध करने वालों से 8 सवाल पूछा है। डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि दलितों का मसीहा बनने वाले बताएं कि अनुसूचित जाति में वर्गीकरण से आरक्षण कैसे खत्म होगा।

उन्होंने कहा कि क्या ओबीसी एक और ओबीसी दो का वर्गीकरण गलत है? क्या ओबीसी और ईबीसी को अलग-अलग श्रेणियों में रखना सामाजिक न्याय के खिलाफ है? ?क्या आप अनुसूचित जाति के सभी समुदायों के जातिवार सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और सरकारी सेवाओं में प्रतिनिधित्व के वास्तविक आंकड़े सामने लाने के पक्ष में हैं? डॉ. सुमन ने कहा कि हम आरक्षण के भीतर सबसे वंचितों को उनका उचित हिस्सा दिलाने की मांग कर रहे हैं। इसे आरक्षण खत्म करने का नाम देकर गरीब और वंचित समाज को डराना बंद कीजिए। डॉ. सुमन ने कहा कि मुद्दे पर तथ्यों और तर्क से बात होनी चाहिए। कई दूसरे राज्यों में कोटा के भीतर कोटा की व्यवस्था की गयी है।

सासाराम में कुख्यात पूर्व नक्सली कमांडर गिरफ्तार, पिस्टल और एसएलआर के कारतूस बरामद

डेहरी (संवाददाता)। बिहार के सासाराम की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। डेहरी नगर थाना क्षेत्र के सिंचाई कॉलोनी स्थित ईको पार्क के समीप छापेमारी कर पुलिस ने पूर्व नक्सली कमांडर बताए जा रहे संजय कुमार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पिस्टल और एसएलआर के कई कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस अब उसके हथियारों की खरीद-बिक्री से जुड़े संभावित नेटवर्क और पुराने आपराधिक संपर्कों की जांच कर रही है। जब्त किए गए असलहों की जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, संजय कुमार के हथियार व कारतूस के साथ मौजूद होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर डेहरी थाने की पुलिस टीम ने सिंचाई कॉलोनी स्थित उसके आवास पर छापेमारी कर उसे धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से हथियार और 85 कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार संजय कुमार का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है।

कुख्यात संजय पूर्व में नक्सली गतिविधियों से जुड़ा रहा है और नक्सली कमांडर के रूप में सक्रिय रहने की बात सामने आई है। वह पूर्व में जेल भी जा चुका है। एसपी मिस्टर राज ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि जेल से बाहर आने के बाद वह किन गतिविधियों में शामिल रहा और किन लोगों के संपर्क में था। उसके पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। नगर थाना क्षेत्र के सिंचाई कॉलोनी स्थित ईको पार्क के समीप गिरफ्तार पूर्व नक्सली कमांडर संजय कुमार के नेटवर्क को पुलिस खंगाल रही है। पुलिस को संदेह है कि संजय कुमार अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है।

जब्त हथियारों की जांच हो रही

बरामद हथियार के इस्तेमाल की भी जांच पुलिस बरामद पिस्टल और कारतूस की जांच के साथ यह भी पता लगा रही है कि इनका इस्तेमाल किसी आपराधिक घटना में तो नहीं किया गया है। पुलिस आरोपी के पुराने मामलों और वर्तमान आपराधिक संपर्कों की कड़ियां जोड़ रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ और जांच आगे बढ़ने पर हथियारों के अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

बाढ़ ने झगड़ा-फसाद पर लगाया लगाम, 20 दिनों में मनेर दियारे से एक भी मामला नहीं आया

पटना (संवाददाता)। बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में झगड़ा-फसाद पर लगाम लगा है। मनेर के दियारे में जहां हर रोज जमीन विवाद, मामूली बातों पर कहासुनी होती थी और बात-बात पर लोग थाने पहुंच रहे थे वहां बाढ़ आने पर पिछले 20 दिनों से झगड़े-फसाद की आवाज थम सी गई है। मनेर दियारे की छह पंचायतों के 18 गांव बाढ़ में घिरे हैं। 60 हजार की आबादी इसकी मार झेल रही है। लेकिन थाने में इन गांवों से झगड़े, फसाद या भूमि विवाद का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। 60 हजार की आबादी मनेर प्रखंड और दियारा में पिछले 20 दिनों से बाढ़ की विभीषिका झेल रही है।

पुलिस के रिकॉर्ड बताते हैं कि सामान्य दिनों में इन क्षेत्रों से रोजाना दो से पांच आवेदन थाने में आते थे। इनमें घरेलू हिंसा,

जमीनी विवाद, अवैध शराब, आपसी मारपीट, गली-नाली विवाद और छोटी चोरियों जैसी घटनाएं शामिल रहती थीं। मनेर थाने का रिकॉर्ड देखने पर पता चला कि 20 अगस्त से पहले इन इलाकों से 19 अगस्त कोदो, 18 को चार , 17 को एक और 16 अगस्त को चार मामले आए थे। जबकि 21 अगस्त से 10 सितंबर तक दियारा की मगरपाल, कित्ता चौहत्तर पूर्वी, पश्चिमी, मध्य, रामपुर तौफिर और सुअरमरवा पंचायत से एक भी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

बाढ़ के बाद खेतों से जैसे-जैसे पानी निकल रहा है, किसानों का कलेजा फटता जा रहा है। मनेर के पश्चिमी दियारे के हुलासी टोला, रामपुर, भवानी टोला, सुअरमरवा, रामबाद, पतीला आदि गांवों में करीब 400 बीघे में लगी मक्का और सब्जी की खेती बर्बाद हो गई है। खेतों से पानी तो निकल गया, लेकिन भिंडी, नेनुआ, बैगन, झिंगनी आदि सब्जियों के पौधे गलकर सूख गए हैं। रामपुर तौफिर पंचायत के वार्ड-13 के वार्ड सदस्य सुजीत कुमार ने बताया कि उनके गांव में 100 बीघा से अधिक में सब्जी की खेती होती है। किसानों को उम्मीद थी कि बाढ़ का पानी निकलने के बाद पौधों को नुकसान नहीं होगा, लेकिन पानी घटने पर सभी पौधे गलकर सूख गए। उन्होंने बताया कि सभी छोटे किसान हैं, जिन्होंने कर्ज लेकर और अपनी जमापूंजी से खेती की थी। अब सभी के पैसे डूब गए हैं और उन पर कर्ज हो गया है। किसान सरकार से सहायता और मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

नाव की भुगतान के लिए कार्यालय का लगा रहे चक्कर

बाढ़ में नाव चलाने वाले नाविक भुगतान के लिए प्रखंड और अंचल कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। इस्लामगंज के लक्ष्मण साहनी, पप्पू साहनी एवं माथुर साहनी ने बताया कि हमलोग बाढ़ में करीब एक महीना नाव चलाये हैं। नाव चलाने के लिए रोज 10 लीटर डीजल मिलता था। अभी तक कुछ भी पैसा नहीं मिला है। मुखिया जी पैसा देने के लिए प्रखंड कार्यालय बुलाये थे। लेकिन हमलोगों को पैसा नहीं मिला। रोज - रोज पैसा के लिए हैरान हो रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार, दोनों में आग लग गई

पीएम मोदी और सीएम सम्राट पर तेजस्वी का हमला

पटना (संवाददाता) नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र पर बिहार के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। एक पोलो रोड स्थित आवास पर रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि बिहार में बाढ़ आने पर कोई मदद नहीं कि गयी। साथ ही आरोप लगाया कि गुजरात में पानी जमा होने पर भी विशेष पैकेज दे दिया गया था। उन्होंने कहा कि पीएम- सीएम को चिट्ठी लिखकर राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में भी बिहार का खजाना खाली है। बिहार से जाने वाले केंद्रीय मंत्री भी कुछ नहीं दिला पा रहे हैं। राज्य में डबल इंजन की सरकार है लेकिन, दोनों इंजन में आग लग गई है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के बीजेपी और जदयू के इतने सारे सांसद और मंत्री हैं पर बाढ़ की त्रासदी में कोई राहत पैकेज राज्य को नहीं दिला सके। जब यूपीए की सरकार थी और लालू जी मंत्री थे तो नीतीश कुमार की सरकार को बड़ा पैकेज दिलाया था। उन्होंने कहा कि गुजरात में पानी भी बरस जाए तो राहत की झड़ी लगा देते हैं। रेस्क्यू फोर्स से लेकर सेना को भी तैनात कर दिया जाता है। जब भी वहीं बाढ़ आई, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी खुद ऐक्टिव हो गए। कई बार वहां जाकर हालात का जायजा लिया और राहत का ऐलान किया। पीएम बिहार की बाढ़ ग्रस्त जनता को इग्नोर कर रहे हैं तो जनता भी उन्हें बिहारी लोग भी उन्हें इग्नोर कर देंगे।

तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी पर तंज कसते हुए कहा कि पता नहीं ये पीएम से बात कर रहे हैं या पीएम इनसे बात ही नहीं कर रहे हैं। बिहार का खजाना खाली है। बाढ़ को लेकर कोई स्थाई समाधान नहीं दिया अभीतक। बिहार के लोगों को चुनाव के समय ही अहमियत देते हैं। अंतिम समय में 10-10 हजार रुपए देकर वोट बटोर लेते हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों के सीएम ने बिहार कई इस आपदा में कोई मदद नहीं की लेकिन, चुनाव के समय वोट मांगने आ जाते हैं। एनडीए के जितने भी सांसद और मंत्री हैं उन्हें केंद्र की सरकार को भाव नहीं देती है। अमित शाह ने अपने चुनावी भाषण में बाढ़ रोक देने की बात कही थी। बाढ़ आने पर दूरबीन लगाकर खोजने से भी नहीं मिल रहे हैं।

महिला को पीटा फिर मुंह में कपड़ा ठूस दिया

पटना के बाढ़ में एसएसबी कमांडेंट के घर डकैतों ने मचाया तांडव

पटना (संवाददाता)

पटना से सटे बाढ़ में एसएसबी कमांडेंट के घर जमकर तांडव हुआ है। बाढ़ में एनटीपीसी थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव में शुक्रवार की देर रात हथियारबंद बदमाशों ने यूपी में तैनात एसएसबी कमांडेंट राणा प्रिंस सिंह के घर में घुसकर उनकी मां को बंधक बना लिया और डकैती की। बदमाशों ने कमांडेंट की मां के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, ताकि वह शोर नहीं मचा सकें। इसके बाद घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण समेत अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। रात करीब 11 बजे से एक बजे तक बदमाश घर में रहे। परिजनों का कहना है कि करीब एक करोड़ के आभूषण और अन्य सामान ले गए हैं। शनिवार की सुबह आसपास के लोगों को जानकारी मिली। एफएसएल की टीम ने भी नमूने एकत्र किए।

जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर गांव के दिवंगत व्यवसायी धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ भानू बाबू के पुत्र राणा प्रिंस सिंह वर्तमान में यूपी के बलरामपुर जिले में एसएसबी कमांडेंट के पद पर तैनात हैं। उनकी मां तनुजा देवी गांव में अकेली रहती हैं। शुक्रवार की रात करीब 11 बजे पांच की संख्या में बदमाश घर में घुस आए। महिला शोर मचाने लगीं तो उनके साथ मारपीट की और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। उन्हें एक जगह बैठाकर हथियार का भय दिखाया और वहां से नहीं जाने की धमकी दी। इसके बाद बदमाश आलमारी में रखे गहने, नकदी और अन्य सामान झोले में भरकर ले गए। करीब दो घंटे तक बदमाश घर पर ही रहे पर आसपास के लोगों को भनक तक नहीं लगी।

3 तटबंध टूटने से भागलपुर में तबाही कायम, दर्जनों घर खाली; रतजगा कर रहे ग्रामीण

भागलपुर (संवाददाता)। कोसी और गंगा नदी के बीच बसे भागलपुर के नवगछिया अनुमंडल में हरेक साल की तरह इस बार भी बाढ़ ने लोगों की नींद उड़ा दी है। आंधी-बारिश से गुरुवार की रात दो तटबंधों में कटाव के बाद शुक्रवार सुबह रंगरा स्थित धोबिनिया बांध भी 20 फीट तक कट गया। इससे इलाके के लोग दहशत में हैं। फिर से बांध टूटने की आशंका से ग्रामीणों ने सामानों को सुरक्षित रखना शुरू कर दिया। प्रशासन भी दौड़ा-भागा मौके पर पहुंचा और हालात को काबू में किया।

ग्रामीणों ने बताया कि रंगरा प्रखंड के बनिया बांध के टूटने के बाद कोसी नदी का पानी तेजी से चारों ओर फैलने लगा है। सड़कों पर पानी आ जाने के कारण यातायात प्रभावित हो गया है। शुक्रवार रात तक बनिया-साधोपुर सड़क पर तीन जगहों पर पानी बह रहा है। सड़क को बचाने के लिए ग्रामीणों द्वारा बालू से भरी बोरियां रखी गई हैं। नवगछिया एसडीओ बी. परीक्षित और एसडीपीओ साईम रजा ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद सड़क को बचाने के लिए युद्धस्तर पर राहत अभियान चलाया गया।

खेतों में पानी आ जाने से मक्के की फसल डूबने लगी है। महिला किसान रोते हुए मक्के के कच्चे पौधे काट रहीं हैं। महिला किसान नफीसा खातून ने कहा कि उन्होंने कर्ज लेकर खेती की है। मवेशियों को ये पौधे नहीं खिलाएंगे तो वे पानी में डूबकर खराब हो जाएंगे। इधर, एसपी वैभव शर्मा के साथ डीएम अलंकृता पांडे भी बनिया गांव पहुंचीं और वहां चलाए जा रहे बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। डीएम ने प्रभावित ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सीओ को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

तेज बारिश और हवा से गुरुवार की देर शाम नदी किनारे बने स्परों की स्थिति बिगड़ गई है। स्पर संख्या दो, तीन और चार के डाउनस्ट्रीम में करीब 85 मीटर हिस्से में तेज हवा और बारिश के कारण क्षति हुई है। इनमें स्पर संख्या दो और तीन स्पर संख्या चार में करीब 60 मीटर स्पर का सेंक क्षतिग्रस्त हो गया था। सूचना मिलते ही जल संसाधन विभाग बचाव द्वारा सुरक्षा कार्य तेज किया गया। बाढ़ प्रमंडल नवगछिया के कार्यपालक अभियंता इंजीनियर गौतम कुमार ने बताया तटबंध सुरक्षित है।

पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र भी रंगरा में बांध टूटने की सूचना पर पहुंचे और लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कटे धोबिनिया बांध पर जाकर देखा और कहा कि विषम परिस्थितियों में बाढ़ पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़े हैं। बांध टूटने के बाद घरों में बाढ़ का पानी आ जाने से लगभग दो दर्जन से अधिक लोगों ने घर खाली कर किया। लोगों ने ऊंचे स्थानों पर जाकर शरण ली है। सड़क पर भी सामान लेकर रह रहे हैं। साधोपुर, जहांगीरपुर, वैसी, भवानीपुर के लोग डरे हैं। बाजार समिति के रास्ते पानी के आने से मुमताज मोहल्ला, नोनियापट्टी के लोग भी भयभीत हैं।

सैकड़ों ग्रामीण कर रहे रतजगा

बनिया रेलवे बांध के टूटने से आसपास के गांवों के लोग दहशत में हैं और रतजगा कर रहे हैं। लोगों ने बताया कि घरों में बाढ़ का पानी घुसने की आशंका बनी हुई है। सोए रहे तो बाढ़ का पानी के आने के बाद घर से सामान भी नहीं निकाल पाएंगे। पानी नजदीक आ जाएगी तो समान निकालकर ऊंचे स्थानों पर चले जाएंगे।

10 मिनट में विद्यालय में आई बाढ़

बांध टूटने के मात्र 10 मिनट के भीतर ही प्राथमिक विद्यालय खरवा टोला, बनिया में बाढ़ का पानी घुस गया। विद्यालय के एचएम अंबिका प्रसाद सिंह ने बताया कि जैसे ही बांध टूटने का शोर हुआ, वे स्थिति देखने के लिए बाहर गए थे। लेकिन जब तक वे लौटकर वापस आए, तब तक पूरा विद्यालय परिसर पानी से जलमग्न हो चुका था।

जदयू को नीतीश नहीं अमित शाह चला रहे, प्रशांत किशोर ने बनडमरु किसे कहा?

पटना (संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड का नाम जनता दल नीतीश रखने पर जन सुराज के बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने सियासी खलबली पैदा करने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि नाम से कुछ नहीं होता है, जेडीयू को अब नीतीश कुमार नहीं बल्कि अमित शाह चला रहे हैं। कहा किअमित शाह ने दो बनडमरू को इसके लिए नियुक्त करके रखा है। इधर, सत्ताधारी जदयू का नाम बदलने पर सहमति बढ़ती जा रही है। संजय झा के प्रस्ताव पर श्रवण कुमार के बाद प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने भी मुहर लगा दी है।

मीडिया कर्मियों के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार की अपनी पार्टी में कुछ नहीं चलती है। सारे फैसले अमित शाह के इशारे पर लिए जाते हैं। दो नेताओं को इसके लिए अप्वाइंट करके रखा गया है जो बीजेपी के एजेंडे को लागू करते हैं। इसलिए जनता दल यूनाइटेड हो या जनता दल नीतीश इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

पिछले दिनों ने नीतीश संवाद के दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि नीतीश कुमार के योगदान को देखते हुए जदयू का नाम बदलकर जनता दल नीतीश रख देना चाहिए। उनके प्रस्ताव पर पार्टी के कई नेताओं ने सहमति जताई है। रविवार को उमेश कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कार्यकारी अध्यक्ष की भावना के साथ पूरी पार्टी खड़ी है। प्रशांत किशोर ने बाढ़ की समस्या को लेकर अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमित शाह चुनाव के समय कहते थे कि एक बार और मौका दे दो, बिहार से बाढ़ की विदाई कर देंगे। बिहार के लिए बाढ़ भूतकाल की बात हो जाएगी। लेकिन जब बाढ़ आ गई तो खुद भूत हो गए। यहां के बाढ़ प्रभावित लोगों को एकबार भी देखने नहीं आए। बिहार में बाढ़ से आई तबाही पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का एक बयान तक नहीं आया। पीके ने कहा कि अगर गुजरात में बाढ़ आ जाए तो भारत सरकार वहां जाकर बैठ जाती है। बिहार जैसे राज्य में हर साल बाढ़ आती है पर कोई परवाह नहीं है।

चुनाव के समय उन्हें बिहार की याद आती है। यह राज्य बहुत प्रिय हो जाता है। पीके ने कहा कि बिहार की जनता ने बांकीपुर के चुनाव रिजल्ट के साथ राजनीति का नैरेटिव बदल दिया है। बिहार में चाहे किसी की भी सरकार हो पर यहां अब शिक्षा और रोजगार की ही बात चलेगी। जन सुराज ने तीन साल की मेहनत से इसे सेट कर दिया है और कोई दल इसे बदल नहीं सकता।

सीए ने फर्जी दस्तावेज पर 457 करोड़ विदेश भेजा, ईओयू में केस दर्जा

पटना (संवाददाता) बिहार के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने सैकड़ों करोड़ की राशि मुंबई और बेंगलुरु की कंपनियों के माध्यम से दूसरे देशों में भेज दिया। आयकर विभाग के सत्यापन के दौरान मामले का खुलासा होने पर फर्जी दस्तावेजों पर करीब 457 करोड़ रुपये की धनराशि विदेश भेजने वाले पटना के चार्टर्ड अकाउंटेट (सीए) गौरव गुंजन व अन्य पर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) में प्राथमिकी दर्ज हुई है।

आयकर विभाग के सहायक निदेशक (अन्वेषण) प्रिंस बाबू मिश्रा के बयान पर दर्ज हुई इस प्राथमिकी में चार्टर्ड अकाउंटेंट पर लोकसेवक को गलत जानकारी देने, फर्जी दस्तावेज जारी कर आपराधिक षड्यंत्र कर धोखाधड़ी करना और देश से बाहर पैसा भिजवाने का संगीन आरोप है। चार्टर्ड अकाउंटेंट ने यह फर्जीवाड़ा वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के दौरान किया।

दीघा के मिथिला कॉलोनी स्थित दुलार इंक्लेव के रहने वाले गौरव गुंजन पर मुंबई और बेंगलुरु की शेल कंपनियों का पैसा विदेश भेजने का आरोप है। इन कई कंपनियों द्वारा भेजी गयी धनराशि उनकी आय के अनुरूप नहीं है। आयकर विभाग के मुताबिक अंधेरी मुंबई की कंपनी जोकरप्लस इंडिया प्राइवेट लि. के रीब 195.26 करोड़ रुपये 2023-24, 2024-25 और 2025-26 की अवधि के दौरान भेजे गये। इसी तरह बेंगलुरु की कंपनी इंश्योर एसिस्ट एंड टेक्नोलॉजी प्रा.लि. के 193.52 करोड़ वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान विदेश गये। इसके अलावा सीए ने उक्त अवधि में मुंबई की कंपनी फिल्मसञ्ज50 के 111.73 करोड़, मुंबई की ही धर्मेश टेक्नोलॉजी के 9.68 करोड़, एवोलॉक्स इंफोटेक प्रा लि, ओडिशा के 20.41 करोड़, विक्रिताई टेक्नोलॉजिस एंड मीडिया प्रा लि, जानकीपुरम के 11.33 करोड़ और एनआरआई संजीव कुमार सिंह के 31 लाख रुपये भी विदेश भेजे। खुलासा आयकर विभाग के देशव्यापी सत्यापन अभियान के दौरान हुआ। अभियान पटना समेत मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, अहमदाबाद, चेन्नई आदि शहरों में स्थित 394 इकाइयों और 36 पेशेवरों के खिलाफ चलाया गया था।

देवर के साथ भाभी थी फरार, हत्या के आरोप में पति, ससुर, जेठ को जेल; 12 साल बाद झारखंड से बरामद

रोहतास (संवाददाता) बिहार के रोहतास से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जिस महिला की हत्या के आरोप में पति, ससुर और जेठ को जेल जाना पड़ा वह झारखंड में जिंदा मिली। महिला अपने रिश्ते के देवर के साथ फरार हो गई थी। एक लाश मिलने पर भाई ने उसकी हत्या का दावा कर ससुराल वालों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर दिया था। पुलिस अब यह खंगालने में जुट गई है 12 साल पहले जिस लाश का पोस्टमार्टम कराया था वह किसकी थी।

मामला रोहतास जिले के डेहरी के मुफसिल थाना अंतर्गत बालरति बिगहा दहाउर गांव की है। महिला की पहचान शकुंतला देवी के रूप में की गई है जो झारखंड के गढ़वा में नाम बदलकर कांति देवी के नाम से रह रही थी। पुलिस ने उसे बरामद करके सासाराम कोर्ट में पेश किया जहां से मायके भेज दिया गया। महिला के ससुर दिलीप मेहता ने बताया कि साल 2002 में उनके बेटे अरुण मेहता के साथ शकुंतला की शादी हुई। 2014 के अगस्त महीने में अचानक वह गायब हो गई। गांव का ही एक युवक उसे भगाकर ले गया जो रिश्ते में देवर लगता था।

इसी बीच 22 अगस्त 2014 को खंडा गांव के पास नहर में एक महिला की लाश मिली। शकुंतला देवी के भाई ने बहन की लाश होने का दावा कर दिया और मुफसिल थाने में पति समेत 8 के खिलाफ हत्या की नामजद प्राथमिकी दर्ज करवा दी। पुलिस ने भी त्वरित एक्शन लेते हुए पति अरुण मेहता, ससुर दिलीप मेहता और जेठ गोविंद कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पूरा परिवार तब से मुकदमे में परेशान है।

इधर परिजनों को पता चला कि शकुंतला देवी झारखंड के गढ़वा में देखी गई है। पता चला कि गढ़वा के कांडी थाना के लभारी गांव में शकुंतला देवी रट्टू सिंह नामक व्यक्ति घर पर थी।

अररिया में 4 बच्चे मिट्टी में जिंदा दफन, 2 की मौत; अवैध खनन पर फूटा लोगों का गुस्सा

अररिया (संवाददाता)। बिहार के अररिया में चार बच्चे मिट्टी के ढेर में जिंदा दफन हो गए। उनमें से दो बच्चों को लोगों ने बचा लिया लेकिन, दो की मौत हो गई। घटना नरपतगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक स्थित धरहरा गांव में रविवार की दोपहर की है। स्थानीय लोगों ने अवैध खनन में बच्चों की मौत का आरोप लगाकर जमकर बवाल काटा। विधायक देवयंती देवी की पहल पर घंटों बाद सड़क जाम हटाया गया। जिले के मुख्य नहर की सफाई से निकली मिट्टी की अवैध कटाई की जा रही थी।

सभी बच्चे धरहरा गांव के बताये गये हैं। मृतकों में संजीव पासवान का आठ वर्षीय पुत्र साजन कुमार और रवि पासवान का छह वर्षीय बेटा आयांश कुमार शामिल हैं। सकुशल बचाए गये बच्चों में छोटू पासवान का पांच वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार तथा संजीव पासवान का छह वर्षीय लाड़ला आर्यन कुमार शामिल हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि धरहरा गांव के ये चारो बच्चे मिट्टी के ढेर पर खेल रहे थे। इसी दौरान मिट्टी ढ़हने चारों उसमें दब गया। आनन फानन में सभी बच्चों को बाहर निकालकर स्थानीय अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टरों ने दो बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चों की मौत से स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए शव को नरपतगंज फारबिसगंज फोरलेन पर रखकर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर विधायक देवयंती देवी नरपतगंज थानाध्यक्ष संजय कुमार के साथ पहुंचीं। बड़ी मशक्कत से दो घंटे के बाद लोगों को समझा बुझाकर जाम को हटाया।

लोग इस बात को लेकर गुस्से में थे कि मेन केनाल नहर की सफाई के दौरान नहर से निकली जमा की गयी थी। इस मिट्टी का अवैध खनन और ढुलाई कर बेचा जा रहा था। बच्चे नादानी में मिट्टी के ढेर पर चले गए और खोदे गए गड्ढे में गिर गए। उपर से मिट्टी का ढेर ढह गया जिसमें सभी बच्चे दब गए। दोषियों पर कार्रवाई की मां की जा रही है। विधायक ने लोगों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच होगी। सरकारी प्रावधान के अनुसार जल्द ही परिजनों को मुआवजा दिलाया जाएगा। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि मामला फुलकाहा थाना क्षेत्र का है। फुलकाहा पुलिस कार्रवाई कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक आयांश अपने घर का इकलौता चिराग था। हाल में ही नहर किनारे उसके पिता ने जमीन खरीद कर घर बनाना शुरू किया था। परिजनों का कहना है कि उसके बच्चे अवैध खनन के कारण काल के काल में समा गए। पूर्व में भी अवैध खनन को लेकर पुलिस में शिकायत की गई थी लेकिन कार्रवाई नहीं होने से खनन माफिया का मनोबल बढ़ गया। मृत साजन के पिता रवि पासवान की पहले ही हादसे में मौत हो गई।

भाजपा नेता की हत्या, पूर्व मंडल अध्यक्ष पर आरोप; नाना बोलकर रोका और गोली मार दी

भागलपुर (संवाददाता)। बिहार के भागलपुर में भाजपा नेता श्रीनारायण साह मंडल अध्यक्ष उमा भूषण तांती उर्फ पप्पू तांती (50 वर्ष) की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी। बबरगंज के कुतुबगंज इलाके में शुक्रवार को बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। उनके सिर में गोली मारी गई। घटना के पीछे काली पूजा के चंदे को लेकर विवाद की चर्चा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। इस मामले में पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष और उनके भांजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है।

वारदात के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग खून से लथपथ उमा भूषण को आनन-फानन में जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (मायागंज) लेकर पहुंचे, जहां इमरजेंसी वार्ड के चिकित्सकों ने जांचोपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों की प्रारंभिक जांच में दो गोली मारे जाने की पुष्टि हुई है। एसएसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि आपसी रंजिश और पूजा में चंदा के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

हत्याकांड में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष बबरगंज थाना क्षेत्र के कुतुबगंज निवासी पूर्व पार्षद शशि मोदी और मोजाहिदपुर थाना के सिकंदरपुर निवासी उनके भांजा कृष्णा मोदी के खिलाफ हत्या का मामला बबरगंज थाना में दर्ज किया गया है। उमा भूषण तांती के भाई अरविंद ने बताया कि वार्ड पार्षद शशि मोदी का भांजा किशन कुमार और उसका एक साथी बाइक पर सवार होकर आए। इसी दौरान मार्केट जा रहे मेरे भाई को पीछे से एक गोली मारी, जो उनकी कनपटी के पास सिर पर लगी। गोली लगने के बाद मेरे भाई सड़क पर अचेत होकर गिर गए। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश वहां से भाग निकले। उन्होंने बताया कि मेरे भाई से पहले शशि मोदी मंडल अध्यक्ष थे।

शव से लिपटकर रोती रही बेटी

उमा भूषण तांती की हत्या की खबर सुनकर उनकी बेटी मायागंज अस्पताल पहुंची। अस्पताल पहुंचते ही पिता के शव लिपटकर रोने लगी। इस दृश्य के बाद अस्पताल में मौजूद लोगों का भी दिल दहल गया। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। बेटी ने कहा- पापा उठ जाओ...प्लीज पापा उठ जाओ। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा के नगर विधायक रोहित पांडेय तत्काल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने रोते-बिलखते परिजनों को ढांढ़स बंधाया और मौके पर मौजूद वरीय पुलिस अधिकारियों से बात कर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की। कई भाजपा कार्यकर्ताओं की भी आंखें नम दिख रही थीं। उमा भूषण तांती साल 1995 से भाजपा के एक्टिव कार्यकर्ता रहे हैं। साल 2025 में उन्हें मंडल अध्यक्ष के तौर चुना गया था। क्षेत्र में उनकी काफी लोकप्रियता थी।

विनय कुमार के बाद बिहार का डीजीपी कौन? चयन की प्रक्रिया शुरू, रेस में इन अफसरों के नाम

पटना (संवाददाता)। विनय कुमार के बाद बिहार में नये पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कौन होगा, इस पर कवायद जारी है। इसके लिए चयन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वर्तमान डीजीपी विनय कुमार सितम्बर 2025 में ही पुलिस सेवा की अवधि पूरी कर चुके हैं। उनके डीजीपी पद के दो साल का कार्यकाल 12 दिसंबर 2026 को समाप्त होने वाला है। इसे देखते हुए बिहार सरकार के गृह विभाग ने पुलिस सेवा में 30 साल सेवा पूरी कर चुके आईपीएस अधिकारियों की सूची केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी है।

इनमें नौ डीजी (पुलिस महानिदेशक) जबकि 1996 बैच के 14 एडीजी (अपर पुलिस महानिदेशक) स्तर के पदाधिकारी शामिल हैं। प्रक्रिया के तहत अब गृह मंत्रालय इस सूची पर यूपीएससी के साथ विचार-विमर्श कर अंतिम तीन नाम का पैनल बना कर बिहार सरकार को भेजेगी, जिसमें एक पर मुख्यमंत्री की अंतिम मुहर लगेगी। वरिष्ठ पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यूपीएससी के पैनल चयन में वरिष्ठता सहित कई बिंदुओं पर ध्यान रखा जायेगा। सूची में शामिल अधिकारियों से व्यक्तिगत राय भी पूछी जाएगी। बिहार कैडर में वर्तमान डीजीपी विनय कुमार को छोड़ नौ डीजी रैंक के आईपीएस हैं। इनमें 1991 बैच की डीजी होमगार्ड व अग्निशमन सेवाएं प्रीता वर्मा सबसे वरिष्ठ हैं। 1992 बैच के बी श्रीनिवासन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एनएसजी में तैनात हैं। वे भी डीजीपी की रेस में शामिल हैं। 1993 बैच में डीजी निगरानी जितेंद्र सिंह गंगवार सबसे वरिष्ठ हैं। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) के डीजी जितेंद्र कुमार भी 1993 बैच के हैं।

1994 बैच आईपीएस कुंदन कृष्णन, डॉ परेश सक्सेना और निर्मल कुमार आजाद डीजी, जबकि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात अमित कुमार और एएस निलेकर चंद्रा को बिहार में एडीजी का दर्जा है। इस बैच से कुंदन कृष्णन की प्रबल दावेदारी है। डीजी सिविल डिफेंस डॉ परेश सक्सेना 31 दिसंबर को रिटायर हो रहे हैं। निर्मल कुमार आजाद का कार्यकाल दिसंबर 2027 तक है। 30 साल की सेवा पूरी कर चुके 1995 और 1996 बैच के एडीजी स्तर के अधिकारियों का नाम भी सूची में भेजा गया है। इनमें राज्य में तैनात आर मलार विजि, पंकज कुमार दराद, अमित कुमार जैन, सुधांशु कुमार, नैय्यर हसनैन खान, सुनील कुमार, डॉ कमल किशोर सिंह, पारस नाथ जबकि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात सुशील एम खोपड़े, एस रवींद्रण, जगमोहन व अनिल किशोर यादव का नाम शामिल है।

दरभंगा और मुजफ्फरपुर औद्योगिक पार्क, 95 हजार लोगों को रोजगार

पटना (संवाददाता)। बिहार सरकार राज्य में औद्योगिक विकास और युवाओं को रोजगार देने के संकल्प पर काम कर रही है। सभी जिलों में औद्योगिक इकाई लगाने की योजना है। इसी के तहत दरभंगा और मुजफ्फरपुर में विकसित किया जा रहा है। इन दो नए औद्योगिक पार्क में 95 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। रोजगार यहां स्थापित होने वाली इकाइयों में मिलेगा। औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है। केंद्र सरकार की भारत औद्योगिक विकास योजना (भाव्या) के तहत बिहार सरकार ने इसका प्रस्ताव किया है। इसकी डीपीआर और मास्टर प्लान सहित निवेश-रोजगार का पूरा ब्योरा केंद्र सरकार को भेज दिया गया है।

दरभंगा में विकसित हो रहे औद्योगिक पार्क में 32 हजार 900 और मुजफ्फरपुर में 59 हजार 600 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यहां बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। दोनों औद्योगिक पार्क में प्लग एंड प्ले योजना के तहत औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जानी है। दरभंगा के बहादुरपुर और हनुमान नगर प्रखंड में 385 एकड़ और मुजफ्फरपुर के पारू में 700 एकड़ में औद्योगिक पार्क विकसित हो रहा है। दोनों जगह भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है। दरभंगा के बहादुरपुर और हनुमान नगर के तरलाही, मोटनाजा, बिहारीमुकुंद, अम्माडीह में औद्योगिक पार्क के लिए जमीन ली जाएगी। वहीं, मुजफ्फरपुर के पारू में चानपुर-चिहुटहा, भोजपट्टी, चतुर्पट्टी, विष्णुपुर-सरैया में जमीन ली जाएगी।

दिवाली-छठ पर बिहार लौटना होगा आसान! 8 स्पेशल ट्रेनों का प्रस्ताव, इन रूटों पर मिलेगी राहत

भागलपुर(संवाददाता)। बिहार से बाहर रहकर नौकरी, मजदूरी या पढ़ाई करने वाले लोगों के लिए दिवाली और छठ पूजा से पहले राहत भरी खबर है। त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में प्रवासी बिहार लौटते हैं, जिसके कारण लंबी दूरी की नियमित ट्रेनों में कंफर्म टिकट के लिए मारामारी और लंबी वेटिंग की स्थिति बन जाती है। यात्रियों की इसी परेशानी को देखते हुए दिवाली और छठ पूजा के अवसर पर त्योहार स्पेशल ट्रेनों के संचालन को लेकर प्रस्ताव भेजा गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आठ स्पेशल ट्रेनों को चलाने संबंधी प्रस्ताव भेजा गया है। जरूरत के अनुसार इन ट्रेनों की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है।

त्योहारों में बढ़ जाती है बिहार लौटने वालों की भीड़ दरअसल, बिहार के बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों में नौकरी, मजदूरी और पढ़ाई के सिलसिले में रहते हैं। दिवाली, छठ पूजा और दुर्गा पूजा जैसे प्रमुख त्योहारों के मौके पर बड़ी संख्या में लोग अपने घर लौटते हैं। इस दौरान लंबी दूरी की नियमित ट्रेनों में यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो जाता है और कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग रहती है। खासकर मजदूर तबके के यात्रियों को सामान्य श्रेणी के डिब्बों में भारी भीड़ के बीच सफर करना पड़ता है।

रेलवे ने भेजा स्पेशल ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव यात्रियों की बढ़ती भीड़ और टिकट की परेशानी को देखते हुए रेलवे की ओर से त्योहार स्पेशल ट्रेनों के संचालन की पहल की गई है। पूर्व रेलवे के पीसीसीएम डॉ. उदय शंकर झा ने बताया कि स्पेशल ट्रेनों के संचालन से संबंधित प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जरूरत पड़ने पर स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

पिछले साल भी चली थीं कई स्पेशल ट्रेनें पिछले साल त्योहारों के दौरान भी यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था। इनमें छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, मालदा-उधना, मालदा-आनंद विहार, भागलपुर-दिल्ली, भागलपुर-रतलाम और मालदा-बेंगलुरु सहित करीब एक दर्जन स्पेशल ट्रेनें शामिल थीं। इस बार भी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। भागलपुर-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन भागलपुर-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 3 नवंबर से 28 नवंबर के बीच शनिवार और मंगलवार को चलेगी। इस ट्रेन के कुल आठ ट्रिप निर्धारित किए गए हैं। ट्रेन में एसी टू, एसी थ्री, 12 स्लीपर और चार जनरल कोच शामिल होंगे।

मालदा-भागलपुर स्पेशल ट्रेन मालदा-भागलपुर स्पेशल ट्रेन 17 अक्तूबर से 22 नवंबर तक चलेगी। यह ट्रेन रविवार को कुल छह ट्रिप करेगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन में एसी टू, एसी थ्री, छह स्लीपर और चार जनरल कोच शामिल हैं। मालदा-एलटीटी स्पेशल ट्रेन मालदा-एलटीटी स्पेशल ट्रेन 17 अक्तूबर से 28 नवंबर के बीच शनिवार और मंगलवार को चलेगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन में एसी टू और एसी थ्री के साथ 11 स्लीपर और चार जनरल कोच शामिल होंगे। मालदा-उधना स्पेशल ट्रेन मालदा-उधना स्पेशल ट्रेन 17 अक्तूबर से 28 नवंबर के बीच शनिवार और बुधवार को चलेगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन में 11 स्लीपर और चार जनरल कोच शामिल हैं।

मालदा-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन मालदा-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन 16 अक्तूबर से 30 नवंबर के बीच सोमवार और शुक्रवार को चलेगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन में एसी टू, एसी थ्री, स्लीपर और जनरल कोच शामिल हैं। मालदा-बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन मालदा-बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन 17 अक्तूबर से 28 नवंबर के बीच शनिवार और मंगलवार को चलेगी। इस ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे। इनमें एसी टू, एसी थ्री, नौ स्लीपर और चार जनरल कोच शामिल हैं। मालदा-पुणे स्पेशल ट्रेन मालदा-पुणे स्पेशल ट्रेन 6 नवंबर से 27 नवंबर के बीच मंगलवार और शुक्रवार को चलेगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन में एसी टू और एसी थ्री के अलावा 11 स्लीपर और चार जनरल कोच शामिल होंगे। जरूरत के अनुसार बढ़ सकती हैं ट्रेनें त्योहारों के दौरान बिहार आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाए जाने की संभावना भी जताई गई है। पूर्व रेलवे के पीसीसीएम डॉ. उदय शंकर झा के अनुसार यात्रियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना किया साकार : चौहान

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 2 लाख नवनिर्मित आवासों में कराया गृह प्रवेश

- पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 11.50 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय
- छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की बड़ी सौगात
- सक्ती में खुलेगा कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर में पीएम आवास सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ी
- ग्रामीण विकास के कई नवाचारों और अभियानों का शुभारंभ, लखपति दीदियों एवं पंचायतों का हुआ सम्मान

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास के सपने को साकार करने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा। सक्ती में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के राज्यस्तरीय गृह प्रवेश समारोह में 2 लाख नवनिर्मित आवासों का गृह प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से उनके नए घरों की चाबी सौंपी गई।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 3.65 लाख अतिरिक्त आवासों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने नवगठित सक्ती जिले में कृषि विज्ञान केंद्र खोलने तथा बस्तर संभाग में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वे की समय-सीमा 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने की घोषणा भी की। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति संबंधी पत्र मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को सौंपा। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण इसी संकल्प को जमीन पर साकार करने वाली महत्वपूर्ण योजना है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है और प्रतिदिन 1600 से अधिक आवास पूर्ण किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों को नई गति मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के आवास, सड़क, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से गरीब परिवारों को केवल पक्की छत ही नहीं मिल रही, बल्कि उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, नि:शुल्क राशन, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में व्यापक बदलाव लाने का कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि की अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। प्रदेश अब केवल धान के कटोरे के रूप में ही नहीं, बल्कि तेजी से सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान बना रहा है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि में आधुनिक तकनीक को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सक्ती में कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना से क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत खेती, फसल विविधीकरण और कृषि संबंधी वैज्ञानिक मार्गदर्शन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि श्री चौहान का छत्तीसगढ़ के प्रति विशेष स्नेह रहा है और उनके प्रत्येक प्रवास से प्रदेश को विकास की नई सौगातें मिली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आज अपने नए पक्के घर में प्रवेश कर रहे 2 लाख हितग्राही परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देकर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी थी। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 11.50 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आवास सर्वे-2011 और आवास प्लस सर्वे के अंतर्गत आवासों के लक्ष्य की स्वीकृति मिल चुकी है। अब आवास प्लस-प्लस सर्वे में शामिल शेष पात्र परिवारों के लिए भी आवास स्वीकृत करने का अनुरोध केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री से किया गया है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी पात्र गरीब परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में हमारी माताओं-बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और बिहान के माध्यम से महिलाओं को आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 13 लाख 85 हजार दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रहे बड़े बदलाव का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख माताओं-बहनों को लाभान्वित किया जा रहा है और अब तक 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि उनके खातों में अंतरित की जा चुकी है। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और सेवा सेतु पोर्टल का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि बिजली बिल समाधान योजना के अंतर्गत अब तक 750 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया बिजली बिल माफ किए जा चुके हैं।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत निर्मित 2 लाख आवासों के गृह प्रवेश के साथ ही विभिन्न ग्रामीण विकास अभियानों और नवाचारों का भी शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश की चाबी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत एआई आधारित जियो-टैग सत्यापन का शुभारंभ किया गया। विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत 'धार अपार' और 'सुघ्घर बाड़ी' अभियान प्रारंभ किए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 270 नवीन इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टरों का विमोचन किया गया। साथ ही इन्क्यूबेशन प्रोग्राम 'अथ उद्यमिता की ओर' के अंतर्गत चैलेंज फंड इवेंट का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में आजीविका के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति दीदियों एवं डीलर दीदियों तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली पंचायतों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद 11.50 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। राज्य सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे। गरीब परिवारों के साथ नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों और आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटे लोगों के आवास की भी चिंता की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं है। गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में भी तेजी से कार्य हो रहा है। 26 जनवरी 2027 तक प्रदेश के प्रत्येक विद्यालय में बालिका शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पक्के मुक्तिधाम शेड और आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण भी वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। पंचायतों में कराए जा रहे विकास कार्यों पर बारकोड लगाया जा रहा है। नागरिक इसे स्कैन कर संबंधित विकास कार्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे ग्रामीण विकास में पारदर्शिता बढ़ने के साथ आम नागरिक भी विकास कार्यों की निगरानी में सहभागी बनेंगे। कार्यक्रम के अंत में जिले के प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आभार व्यक्त किया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ : तोखन

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का चिंतन सरकार के लिए मार्गदर्शक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इसी भावना के अनुरूप गरीब, किसान, महिला और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में विकास को नई गति मिली है और गांवों में बुनियादी सुविधाओं के साथ ही रोजगार एवं आजीविका के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री साय ने 121.70 करोड़ के 38 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े विकास कार्यों से क्षेत्र में बढ़ेंगी सुविधाएं

रायपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सक्ती जिले के ग्राम जेठा में आयोजित कार्यक्रम में जिले को लगभग 122 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। दोनों अतिथियों ने 121 करोड़ 70 लाख रुपए से अधिक की लागत के कुल 38 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

इनमें लगभग 79.25 करोड़ रुपए की लागत के 23 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लगभग 42.46 करोड़ रुपए की लागत के 15 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन कार्यों से जिले में सड़क संपर्क के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, प्रशासनिक और ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। भूमिपूजन किए गए प्रमुख कार्यों में लगभग 25.82 करोड़ रुपए की लागत से देवरघटा, बरतुंगा, तुलसीडीह, अण्डा, चरौदा होते हुए सपिया नहरपार तक 22 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण तथा लगभग 15.30 करोड़ रुपए की लागत से छुहीपाली से कटेकोनी बड़े-कर्राखई-ठाकुरपाली होते हुए सेमराडीह तक 12 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण शामिल है। इसके साथ ही अण्डी-किरकार-जगमहन से सातबहिनिया तक सड़क, नगझर-नवापारा मार्ग और गुरेराडीह किरारी से केसला मुख्य मार्ग सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं का भूमिपूजन किया गया।

शिक्षा और युवाओं के लिए शासकीय कन्या महाविद्यालय सक्ती के नवीन भवन, बेदराम शासकीय महाविद्यालय मालखरौदा में अतिरिक्त भवन तथा नवीन लाइवलीहुड संस्थान भवन का भूमिपूजन किया गया। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न ग्रामों में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन तथा महिलाओं के लिए महतारी सदनों के निर्माण कार्यों की भी आधारशिला रखी गई। लोकार्पित प्रमुख कार्यों में लगभग 14.35 करोड़ रुपए की लागत से मालखरौदा क्षेत्र में कलमी नहरपार से चिखली, छोटेकोट, बड़ेकोट, सिंघरा होते हुए बेल्हाडीह तक सड़क तथा लगभग 11.35 करोड़ रुपए की लागत से देवरघटा से कठरापाली, निमोही, सिंघीतराई, बेनीपाली होते हुए ओड़ेकेरा मुख्य मार्ग तक पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण शामिल है। बुंदेली-अड़भार मार्ग का भी लोकार्पण किया गया।

इसके अलावा जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित सोलर ड्यूल पंप, चन्द्रपुर एवं हसौद के नवीन तहसील कार्यालय भवन, डभरा, चन्द्रपुर एवं जैजैपुर के नवीन पुलिस थाना भवन, अड़भार पुलिस चौकी भवन, सुलौनी हाईस्कूल भवन, गोपालपुर प्रशिक्षण भवन तथा गोबरा में महतारी सदन सहित अन्य विकास कार्य जनता को समर्पित किए गए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से प्रकृति संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश

रायपुर (एजेंसी)।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सक्ती जिले के ग्राम जेठा स्थित कॉलेज ग्राउंड में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कदम का पौधा और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बादाम का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के विस्तार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान मातृ सम्मान की भावना को प्रकृति संरक्षण के संकल्प से जोड़ता है। अभियान के माध्यम से लोगों को अपनी माँ के सम्मान में पौधा लगाने के साथ ही उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पौधरोपण के साथ पौधों की देखभाल और उन्हें वृक्ष के रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी का भाव भी इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण को केवल शासकीय प्रयास तक सीमित न रखते हुए उसे जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने की पहल है। अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता से हरियाली बढ़ाने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संदेश अभियान के माध्यम से दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से देशभर में नागरिकों को पौधरोपण से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में सक्ती जिले में केंद्रीय मंत्री चौहान और मुख्यमंत्री द्वारा किया गया पौधरोपण प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देता है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिले के प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन, विकसित भारत जीरामजी के आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल एडिक्शन आज किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक : राज्यपाल रमेन डेका

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हुए शामिल, 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित

रायपुर (एजेंसी)।

राज्यपाल रमेन डेका आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किए गए, जिनमें 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया शामिल हैं। स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई

राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, जबकि हम उस दौर के विद्यार्थी हैं, जब शिक्षा चाक ,पेंसिल पुस्तकों और गुरुओं के माध्यम से प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज बहुत जरूरी है, लेकिन इसका उपयोग उतना ही होना चाहिए, जितना मानव समाज के हित में आवश्यक है। आज डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक हो गया है। विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर एनर्जी, क्लाइमेट चेंज और माइक्रो प्लास्टिक आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। 21वीं सदी में विकास के साथ उसके दूसरे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा और सतत विकास को प्राथमिकता देनी होगी। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को भगवत गीता के कर्मयोग का संदेश देते हुए कहा कि कर्म ही जीवन है। हमें इस बात की चिंता किए बिना कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, अपने कर्म, पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपका ज्ञान कोई आपसे नहीं छीन सकता। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और सही रास्ते पर आगे बढ़ें।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थियों ने ज्ञान और डिग्री

इसलिए हासिल की है कि उसका उपयोग मानव समाज के हित में हो। विज्ञान, तकनीक और इनोवेशन का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लौह अयस्क प्रचुर मात्रा में है और यह देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अब छत्तीसगढ़ को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपने जीवन का रोडमैप तैयार कर योजनाबद्ध ढंग से सफलता की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं डिफेंस साइंटिस्ट डॉ. वी. सतीश रेड्डी तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर आर.पी. कौशिक ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. शिव दयाल पांडे ने दिया और विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शासी परिषद एवं कार्य परिषद के सदस्य, अधिष्ठाता, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं उनके पालक उपस्थित थे।

23 साल बाद इतिहास रचने उतरेंगे शेल्टन, फाइनल में ज्वेरेव से होगी टक्कर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। US ओपन 2026 के पुरुष एकल फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिका के बेन शेल्टन आमने-सामने होंगे। ज्वेरेव ने रूस के कारेन खाचानोव को सीधे सेटों में हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को चार सेटों में मात दी। ज्वेरेव की नजर अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब पर होगी, जबकि शेल्टन घरेलू दर्शकों के सामने इतिहास रचने उतरेंगे।

टॉप सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए तनावपूर्ण सेमीफाइनल में कारेन खाचानोव को 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से शिकस्त दी। इस जीत के साथ जर्मन खिलाड़ी ने यूएस ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदें बरकरार रखीं।

उतार-चढ़ाव भरे टाई-ब्रेकर में ज्वेरेव ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन खाचानोव ने वापसी कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। आखिर में ज्वेरेव को सेट पॉइंट मिला और खाचानोव के फोरहैंड शॉट के बाहर जाने के साथ उन्होंने दूसरा सेट भी अपने नाम कर लिया।

खाचानोव ने तीसरे सेट के टाई-ब्रेकर में बेहतर शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बना ली। कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि रूसी खिलाड़ी मुकाबले को चौथे सेट में ले जा सकते हैं, लेकिन ज्वेरेव ने मिनी-ब्रेक के साथ जवाब दिया। निर्णायक समय पर ज्वेरेव ने अपना धैर्य बनाए रखा। एक ऐस की मदद से उन्हें पहला मैच पॉइंट मिला। इसके बाद उन्होंने बेसलाइन की रैली जीती और खाचानोव का फोरहैंड शॉट कोर्ट से बाहर चला गया। ज्वेरेव ने 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ ज्वेरेव यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच गए हैं। इससे पहले वह 2020 में न्यूयॉर्क में उपविजेता रहे थे। यह इस साल उनका लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल भी है। अब उनकी नजर करियर के पहले ग्रैंड स्लैम खिताब पर होगी। मैच के बाद ज्वेरेव ने कहा, 'मैं आने वाले दिनों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। यह बहुत ही खास होने वाला है।' दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन ने अपने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शेल्टन ने टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। शेल्टन ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अब फाइनल में उनके सामने फ्रेंच ओपन चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव की चुनौती होगी। यूएस ओपन पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और बेन शेल्टन आमने-सामने होंगे। ज्वेरेव अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, जबकि शेल्टन के पास 2003 के बाद अमेरिकी पुरुष टेनिस को यूएस ओपन चैंपियन देने का मौका है। दोनों खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

एमएस धोनी की सीएसके में कितनी हिस्सेदारी? टीम ने 1 लाख शेयरों पर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमएस धोनी के चेन्नई सुपर किंग्स में 1 लाख से ज्यादा शेयर होने की खबरों के बीच फ्रेंचाइजी ने उनकी हिस्सेदारी को लेकर स्थिति साफ कर दी है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि धोनी टीम में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन CSK ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। हालांकि, धोनी पहले से ही फ्रेंचाइजी के माइनॉरिटी शेयरहोल्डर हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एमएस धोनी ने कुछ समय पहले ऑफ-मार्केट डील के जरिए चेन्नई सुपर किंग्स के 1 लाख से ज्यादा अनलिस्टेड इक्विटी शेयर खरीदे थे। शेयरों की संख्या भले ही काफी बड़ी नजर आती हो, लेकिन CSK की कुल इक्विटी में धोनी की हिस्सेदारी सिर्फ करीब 0.01 से 0.02 प्रतिशत के आसपास बताई गई है।

चेन्नई सुपर किंग्स की अधिकांश हिस्सेदारी अभी भी श्रीनिवासन परिवार के नियंत्रण में है। परिवार के पास फ्रेंचाइजी की 55 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक निवेशकों के पास 30 करोड़ से ज्यादा शेयर हैं, जो कुल स्वामित्व का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा है। हाल ही में ऐसी अटकलें सामने आई थीं कि एमएस धोनी CSK में 15 से 20 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, चेन्नई सुपर किंग्स मैनेजमेंट ने इन रिपोर्ट्स को लगातार खारिज किया है। CSK एक अनलिस्टेड प्राइवेट कंपनी है। इसलिए इसके शेयर खुले स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड नहीं होते। फ्रेंचाइजी में किसी भी तरह के इक्विटी ट्रांसफर के लिए आंतरिक बोर्ड की मंजूरी जरूरी होती है।

इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी की रिकॉर्ड वैल्यूएशन के बीच धोनी की हिस्सेदारी की मौजूदा बाजार कीमत करीब 2.6 करोड़ से 3 करोड़ रुपये के बीच आंकी जा रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स जैसी फ्रेंचाइजी की वैल्यूएशन करीब 16,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने के बाद CSK में धोनी के शेयरों की वैल्यू को लेकर भी चर्चा तेज हुई है।

कागजों पर धोनी की हिस्सेदारी भले ही बेहद छोटी हो, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स में उनका प्रभाव काफी बड़ा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान माने जाते हैं और टीम से जुड़े क्रिकेटिंग फैसलों में उनकी भूमिका अहम बनी हुई है।

सीपीएल 2026

47 साल के इमरान ताहिर का ऐतिहासिक पंच, अमेजन वॉरियर्स ने सेंट लूसिया किंग्स को हराया

गुयाना (एजेंसी)। इमरान ताहिर एकमात्र ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी बढ़ती उम्र के साथ ऊर्जा बढ़ती जा रही है और प्रदर्शन में लगातार निखार आता जा रहा है। इस लेग स्पिनर को खेलना विपक्षी बल्लेबाजों के लिए अब भी मुश्किल हो रहा है। इमरान ने अपनी दमदार गेंदबाजी से सीपीएल में अपनी टीम अमेजन वॉरियर्स को सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ शानदार जीत दिलाई है। प्रोविडेंस क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। सेंट लूसिया के बल्लेबाजी के फैसले को अमेजन वॉरियर्स के कप्तान इमरान ताहिर ने अपनी घातक गेंदबाजी से गलत साबित कर दिया। इमरान ने 5 विकेट लिए और टी20 फॉर्मेट में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बने। इमरान ने 4 ओवर में मात्र 17 रन देकर 5 विकेट लिए। उनकी इस घातक गेंदबाजी की वजह से सेंट लूसिया किंग्स 18.5 ओवर में 119 रन पर सिमट गई। कामिल पूरन ने सर्वाधिक 43 रन बनाए, जबकि ओबस पिएनार ने 35 रन बनाए।

इमरान के अलावा, अमेजन के लिए मेहदी हसन मिराज ने भी शानदार गेंदबाजी की। मिराज ने 3 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। ड्वेन प्रिटोरियस और रोमारियो शेफर्ड को 1-1 विकेट मिला। 120 रन का लक्ष्य अमेजन वॉरियर्स ने 18.3 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाकर हासिल कर लिया और मैच 4 विकेट से जीता। पारी की शुरुआत करने आए ग्लेन फिलिप्स ने सर्वाधिक 37 रन बनाए।

मलेशिया को 3-1 से हराकर भारत लगातार चौथी बार फाइनल में

मोकी, चीन (एजेंसी)। भारत ने जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई, जबकि गोलकीपर विवेक लाकड़ा ने कई शानदार बचाव किए। अब भारत की नजरें छठे जूनियर एशिया कप खिताब पर हैं, जहां फाइनल में उसका सामना साउथ कोरिया से होगा।

भारत की जीत में कप्तान अनमोल एक्का ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। वहीं, गोलकीपर विवेक लाकड़ा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने खासतौर पर मलेशिया के पेनल्टी स्ट्रोक पर शानदार बचाव करके भारत को बड़ी राहत दी और टीम को मुकाबले में बढ़त बनाए रखने में मदद की। भारत अब फाइनल में साउथ कोरिया का सामना करेगा। भारतीय टीम जूनियर एशिया कप का खिताब पांच बार जीत चुकी है और अब उसकी नजर छठी ट्रॉफी पर है।

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही मौके बनाने शुरू कर दिए। अजीत यादव ने पहले दो मिनट के अंदर दो बार मलेशियाई डिफेंस को परेशान किया। उन्होंने भारत की डीप डिफेंस से आए लंबे पास पर शानदार रन बनाकर गोल करने की कोशिश की। इसके बाद भारत ने तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन मलेशिया के गोलकीपर अमस्यार मोहामद आदिब ने महत्वपूर्ण बचाव करते हुए अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। मलेशिया को शुरुआती दौर में गेंद पर कब्जा बनाए रखने में काफी परेशानी हुई और पहले क्वार्टर का अधिकांश समय उसे डिफेंस में बिताना पड़ा। 11वें मिनट में मलेशिया ने पहली बार अच्छा अटैक बनाया, लेकिन भारतीय डिफेंस ने खतरे को टाल दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

भारत को 16वें मिनट में मैच का चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान अनमोल एक्का फर्स्ट बैटरी पर मौजूद थे और उन्होंने शानदार लो फ्लिक लगाकर गेंद को गोलकीपर अमस्यार की दाईं ओर से गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली। मलेशिया ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की। 17वें मिनट में उसने लाकड़ा को अच्छा बचाव करने पर मजबूर किया और इसके बाद अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया। हालांकि, भारत के फर्स्ट रशर ने शानदार ब्लॉक लगाकर मलेशिया का मौका खत्म कर दिया।

भारत ने इसके बाद भी हमले जारी रखे और हाफ टाइम से पहले अपनी बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंच गया। हालांकि, टाइट एंगल से लगाया गया शॉट गोल के सामने से निकल गया। हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा। चौथे क्वार्टर में भारत ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 51वें मिनट में मलेशियाई डिफेंस के एक टच के कारण भारत को मौका नहीं मिल पाया, लेकिन भारतीय टीम ने तुरंत अगला हमला तैयार किया। इसी हमले में सुखविंदर सिंह ने शानदार फिनिश करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 53वें मिनट में मलेशिया को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन विवेक लाकड़ा ने फिर कमाल किया। उन्होंने अपनी बाईं ओर डाइव लगाते हुए ग्लव से गेंद रोक दी और मलेशिया को गोल से वंचित कर दिया। अब खिताबी मुकाबले में भारत का सामना साउथ कोरिया से होगा। साउथ कोरिया ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 4-1 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया। भारत जूनियर एशिया कप का खिताब पांच बार जीत चुका है और अब टीम के पास छठी बार चैंपियन बनने का मौका है। फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहने वाली मलेशियाई टीम अब ब्रॉन्ज मेडल के लिए पाकिस्तान का सामना करेगी। दोनों टीमों के बीच ब्रॉन्ज मेडल मुकाबला जल्द खेला जाएगा। पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को साउथ कोरिया ने 4-1 की जीत के साथ खत्म किया। पाकिस्तान ने 1988 में पहला जूनियर एशिया कप जीता था और वह अब तक तीन बार इस टूर्नामेंट का चैंपियन बन चुका है। पाकिस्तान की आखिरी खिताबी जीत 1996 में आई थी।

ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार, अमेरिका-ईरान संघर्ष बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति पर चिंता गहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में तेज उछाल देखने को मिला और ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं गहरा गई हैं। इसके साथ ही चीन की मजबूत खरीदारी और सऊदी अरब के तेल उत्पादन में भारी गिरावट ने भी कीमतों को ऊपर धकेलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड वायदा कीमतों में लगभग 2.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 104 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। इससे पहले पिछले सत्र में वैश्विक मानक तेल बेंचमार्क 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया था, जो जुलाई के बाद पहली बार हुआ था। अब कीमतें मई के बाद के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं।

तेल की कीमतों में आई इस तेजी ने दुनिया भर में ऊर्जा आधारित महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचता है तो तेल के साथ-साथ प्राकृतिक गैस और डीजल जैसी ऊर्जा वस्तुओं की कीमतों पर भी दबाव बना रह सकता है, जिसका असर वैश्विक महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर पड़ सकता है।

पिछले एक सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से बढ़ा है। अपेक्षाकृत शांत अवधि के बाद दोनों देशों के बीच टकराव तेज हो गया है और फिलहाल हालात में तत्काल सुधार की संभावना कम दिखाई दे रही है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा है कि तेहरान अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के सामने झुकने वाला नहीं है और यदि अमेरिका ईरानी क्षेत्र पर हमले जारी रखता है तो जवाबी कार्रवाई और तेज की जाएगी।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि यह संघर्ष नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद तक जारी रह सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल की कीमतों में उल्लेखनीय राहत निकट भविष्य में मिलना मुश्किल हो सकता है। इन बयानों ने बाजार में यह धारणा मजबूत की है कि अब सातवें महीने में पहुंच चुका यह संघर्ष ऊर्जा बाजारों पर लंबे समय तक दबाव बनाए रख सकता है।

अगस्त की शुरुआत में दर्ज निचले स्तरों की तुलना में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में अब तक लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी समझौते के प्रयास सफल नहीं हो सके और अगस्त के अंत में संघर्ष दोबारा तेज होने से खाड़ी क्षेत्र से तेल आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

तेल बाजार पर दबाव का एक और बड़ा कारण सऊदी अरब के उत्पादन में तेज गिरावट है। गुरुवार को प्रकाशित ओपेक की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में सऊदी अरब का उत्पादन घटकर 62 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो वर्ष 2026 का सबसे निचला मासिक स्तर है। यह जुलाई की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत कम है। उत्पादन में यह कमी ऐसे समय आई है जब यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के पश्चिमी तट से होने वाली तेल आपूर्ति को निशाना बनाने की धमकी दी है। हूती समूह की बढ़ती सक्रियता ने सऊदी अरब के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले निर्यात मार्गों पर भी दबाव बढ़ा दिया है।

भारत का एयरोस्पेस बाजार 2035 तक 61 अरब डॉलर तक पहुंचेगा, एमएसएमई के लिए खुलेंगे बड़े अवसर : राम मोहन नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि भारत का एयरोस्पेस मार्केट वर्ष 2025 के 30 अरब डॉलर से अधिक के स्तर से बढ़कर 2035 तक लगभग 61 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी अवधि में देश के वाणिज्यिक विमान बेड़े का आकार भी दोगुना से अधिक होकर करीब 2,050 विमानों तक पहुंच सकता है, जिससे भारतीय विनिर्माण कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने का बड़ा अवसर पैदा होगा।

सीआईआई और नागर विमानन मंत्रालय की संयुक्त पहल वोर्टेक्स 2026 को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि सरकार भारत में एक मजबूत एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता एवियोनिक्स क्षेत्र में अवसर तलाश सकते हैं, प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनियां एयरोस्पेस कलपुर्जों के निर्माण में प्रवेश कर सकती हैं और ऑटोमोबाइल उद्योग को आपूर्ति करने वाले एमएसएमई भी एयरोस्पेस क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के ऑटो कंपोनेंट उद्योग, जिसका आकार आज लगभग 70 अरब डॉलर है, और मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र की सफलता एयरोस्पेस उद्योग के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि आज भारत में उपयोग होने वाले लगभग 99 प्रतिशत मोबाइल फोन देश में ही निर्मित हो रहे हैं और इसी तरह की सफलता एयरोस्पेस क्षेत्र में भी हासिल की जा सकती है। मंत्री ने कहा कि एमएसएमई निर्यात में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में जहां यह लगभग 4 लाख करोड़ रुपए था, वहीं 2025 तक बढ़कर 12.4 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। वर्तमान में 1.73 लाख से अधिक एमएसएमई सीधे वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रहे हैं।

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन (एजेंसी)। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई। हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी।

फिनटेक वित्तीय समावेशन को दे रहा नई ऊंचाई, गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने में निभा रहा अहम भूमिका : गवर्नर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि फिनटेक कंपनियां भारत के वित्तीय तंत्र की महत्वपूर्ण भागीदार हैं और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आरबीआई का प्रयास फिनटेक कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर काम करने का है, ताकि देश के हर व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाई जा सकें, डिजिटल धोखाधड़ी को कम किया जा सके और बैंकिंग सेवाओं की लागत घटाई जा सके।

ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन, ग्राहक-केंद्रित सेवाएं और सुरक्षित डिजिटल वित्तीय प्रणाली आरबीआई की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक की मदद से वित्तीय सेवाओं को लोगों के गांवों और घरों तक पहुंचाना ही भविष्य की दिशा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, फिनटेक हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण भागीदार है, और हमारा प्रयास है कि हम उनके साथ और अपने वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं के साथ मिलकर काम करें, ताकि पूरे भारत में हम वित्तीय समावेशन, ग्राहक-केंद्रितता और डिजिटल धोखाधड़ी को कम करने के अपने प्राथमिक उद्देश्य को प्राप्त कर सकें, साथ ही बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए लागत को भी कम कर सकें।

उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य इन लक्ष्यों को पूरा करने और वित्तीय प्रणाली को सभी लोगों के करीब लाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करना है-उनके गांवों और घरों तक पहुंचना है।

इससे पहले जीएफएफ 2026 कार्यक्रम में बोलते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने बताया कि देश में वर्तमान में 57 करोड़ प्रधानमंत्री जनधन खाते, 25 करोड़ माइक्रो इंश्योरेंस पॉलिसियां और 9 करोड़ अटल पेंशन योजना लाभार्थी हैं। वहीं, यूपीआई के माध्यम से होने वाले लेनदेन का पैमाना भी लगातार बढ़ रहा है और यह आज करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल इन आंकड़ों का आकार नहीं है, बल्कि यह है कि डिजिटल वित्तीय सेवाएं आम नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों का हिस्सा बन गई हैं। बैंकिंग अब केवल शाखाओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि मोबाइल फोन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीधे लोगों तक पहुंच रही है।

संजय मल्होत्रा ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की साझेदारी ने भारत में वित्तीय समावेशन को नई गति दी है। हालांकि, अगला लक्ष्य वित्तीय सेवाओं को पूरी तरह सर्वव्यापी और हर जगह उपलब्ध बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी भी महिलाओं, किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तक छोटे ऋण और अन्य वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में चुनौतियां मौजूद हैं। पारंपरिक बैंकिंग संस्थानों के लिए इन वर्गों तक पहुंचना हमेशा आसान नहीं रहा है। ऐसे में फिनटेक कंपनियां तकनीक के जरिए इन अंतरालों को भर सकती हैं और वित्तीय समावेशन को और मजबूत बना सकती हैं। आरबीआई गवर्नर ने फिनटेक उद्योग को चेताते हुए कहा कि तकनीक जितनी महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण विश्वास है। उन्होंने कहा कि विश्वास बनाने में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन यह कुछ ही क्षणों में टूट सकता है।

मल्होत्रा ने कहा कि फिनटेक कंपनियों को साइबर सुरक्षा, पारदर्शिता और उपभोक्ता संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। डिजिटल वित्तीय सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ डेटा सुरक्षा और साइबर जोखिमों का प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण हो जाता है।

संपादकीय

आर्थिक कदम भी दंत-विहीन

सैन्य विकल्प समाप्त हो जाने के बाद अमेरिका अब आर्थिक दबाव के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो सैन्य बल से संभव नहीं हुआ। लेकिन आर्थिक कदम भी दंत-विहीन ही हैं।

अमेरिका ने ईरान को दुनिया में पराया बना देने के बड़े इरादे के साथ 'ऑपरेशन इकॉनमिक आउटकास्ट' का एलान किया। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने धमकी दी कि अब ईरान से किसी भी प्रकार का आर्थिक संबंध रखने वाले देश और कंपनियों को डॉलर सिस्टम से बाहर कर दिया जाएगा। लेकिन जब प्रतिबंधों की सूची जारी की गई, तो ऐसा नहीं लगा कि अमेरिका सचमुच अपने एलान को हकीकत में बदलने में सक्षम है। इसमें भारत की चार कंपनियों सहित लगभग 60 व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों को शामिल किया गया, लेकिन चीन की किसी वित्तीय संस्था को निशाना नहीं बनाया गया। इस बारे में पूछने पर बेसेंट ने कहा- वैश्विक वित्तीय प्रणाली को मैं क्यों उड़ा डालना चाहूंगा?

मतलब साफ है। अमेरिका की राय है कि चीनी बैंकों पर प्रतिबंध लगाने से पूरी वित्तीय प्रणाली संकटग्रस्त हो सकती है। जबकि चीन ही ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार है। वह ईरान में बड़ा निवेशक भी है। अत: चीन को रोके बिना अमेरिकी प्रतिबंध दिखावटी दांत बन कर रह जाएंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने ताजा अमेरिकी प्रतिबंध को यह कहते हुए ठुकरा दिया है कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून एवं संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। उसने कहा कि चीन अपने हितों की मजबूती से रक्षा करेगा। तो फिर अमेरिकी प्रतिबंध से कौन प्रभावित होगा? रूस पहले से ही सबसे अत्यधिक प्रतिबंधित देश है, इसलिए उस पर नई पाबंदियों का नगण्य असर होना है। दरअसल, प्रतिबंधों की घोषणा के बाद रूस ने ईरान से 25 बिलियन डॉलर का परमाणु समझौता करने का एलान कर दिया।

ऐसे में स्पष्ट है कि अमेरिकी कदम का दबाव सिर्फ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका/ इजराइल के कुछ सहयोगी देश ही महसूस करेंगे, जो ईरान के लिए किसी गंभीर चिंता का विषय नहीं है। इसीलिए विश्लेषकों ये राय जताई है कि ऑपरेशन इकॉनमिक आउटकास्ट असल में यह स्वीकारोक्ति है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प समाप्त हो चुके हैं। इसलिए अमेरिका अब आर्थिक दबाव के जरिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो सैन्य बल से संभव नहीं हुआ। लेकिन आर्थिक कदम भी दंत-विहीन ही हैं।

क्या अमेरिका, रूस और चीन के साथ मिलकर जी-3 बना सकता है?

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'रणनीतिक स्वायत्तता' वाली कूटनीति से जहां अमेरिका, चीन, रूस तीनों बड़े देश घबराए हुए हैं, वहीं फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देश इसमें ही अपना कूटनीतिक भविष्य देख रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों का भी मानना है कि यदि भारत अपने मिशन में कामयाब हो जाता है तो इससे न केवल बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि अमेरिका, रूस और चीन के 'हथियारों के सौदागरों' के हाथ-पांव भी ठिठक जाएंगे।

चूंकि समसामयिक वैश्विक परिदृश्य में अरब-खाड़ी देशों में अमेरिका-यूरोप की इज्जत दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि रूस-चीन का शह ईरान को हासिल है। इससे पहले यूक्रेन में रूस-चीन-उत्तर कोरिया की सैन्य साख दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि अमेरिका-यूरोप मिलकर यूक्रेन को भड़काए हुए हैं। वैसे तो चीन को ताइवान में और भारत को पीओके में उलझाने की साजिश पश्चिमी-पूर्वी देशों के इशारे पर रचाई गई, लेकिन भारत और चीन के सूझबूझ वाले नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को संभाल लिया। इससे हथियारों के वैश्विक सौदागरों और ड्रग्स सप्लायर्स का भारत-चीन से खफा होना स्वाभाविक है। इससे होने वाले घाटे की भरपाई के लिए ही तो अमेरिका ने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ दिया।

और जब इसमें भी अमेरिका विफल हो गया और 'मोदी डॉक्ट्रिन' के चक्रव्यूह में हर ओर से घिरा महसूस करने लगा तब उसने ग्रुप-तीन (G-3) का नया पैंतरा बदला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के व्हाइट हाउस के 'जी तीन' प्लान पर रूस के क्रेमलिन ने भी रजामंदी जताई है और बताया है कि पुतिन और जिनपिंग ने नवंबर में शेनजेन में होने वाले APEC सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ G3 बैठक करने पर चर्चा की है। अगर अमेरिका, रूस और चीन एक साथ बातचीत की मेज पर बैठ जाते हैं और किसी सहमति तक पहुंचते हैं, तो ये दूसरे विश्व युद्ध के बाद बने उस 'याल्टा सिस्टम' का अंत होगा, जिसने यूएन सुरक्षा परिषद को बनाया था।

कहने का तात्पर्य यह कि अब अमेरिका, रूस और चीन परस्पर मिलकर दुनिया के अन्य मजबूत देशों भारत, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील आदि को अपने अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे पर चलाएंगे और इनसे मुनाफा कमाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल साउथ की जो वैश्विक चाल चली है, उसमें भारत विरोधी महारथियों का उलझना और छटपटाना तय है। वहीं, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देशों को ये त्रिपक्षीय पहल नागवार गुजरी तो फिर दुनियावी कश्मकश और दिलचस्प हो जाएगी।

यूं तो वर्तमान भू-राजनीतिक तनावों और कूटनीतिक विरोध के कारण अमेरिका, रूस और चीन का मिलकर 'जी-3' (G-3) बनाना वर्तमान परिदृश्य में अत्यधिक असंभावित चिंतन है। लेकिन जब मुख्य 'षड्यंत्रकारी राष्ट्र' अमेरिका और उसके मनमौजी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंफ ही रूस-चीन युगलबंदी के समक्ष घुटने टेकते हुए ऐसा आकर्षक प्रस्ताव दे रहे हैं तो रूस-चीन दोनों के लिए भी यह आकर्षक डील होगी। चूंकि अमेरिका ने ही भारत-रूस की दोस्ती के मुकाबले चीन की तरक्की में योगदान दिया है तो चीन के लिए भी तो यह और अधिक फायदे का सौदा होगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि अमेरिका-रूस में तनावपूर्ण संबंध हैं, और अमेरिका ने रूस पर कई प्रतिबंध भी लगा रखे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों के कारण अमेरिका और रूस के संबंध बहुत खराब हैं, ऐसे में बात कहां तक बढ़ेगी नवंबर 2006 तक इंतजार करना होगा। जहां तक अमेरिका और चीन की बात है तो दोनों देशों में रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जारी है। अमेरिका और चीन आर्थिक और सैन्य मामलों में दुनिया के मुख्य प्रतिद्वंद्वी देश हैं। खास बात यह कि अमेरिका, रूस और चीन में विचारधारा का अंतर है। अमेरिका एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का समर्थन करता है, जबकि रूस और चीन की शासन प्रणालियां उससे अलग हैं। ऐसे में जी-तीन की छतरी के नीचे आने के लिए तीनों देशों को भारी कीमत चुकानी होंगी और किसी सर्वमान्य निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले कई तरह के कूटनीतिक पापड़ बेलने पड़ेंगे।

देखा जाए तो पहले अमेरिका और सोवियत संघ की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में, फिर अमेरिका और चीन की अंतर्राष्ट्रीय तनातनी में और रूस के साथ चीन के खड़े होने और भारत द्वारा भी रूस की इज्जत करने से अमेरिका बेचैन है। वहीं यूरोप भी अमेरिका की चतुराई समझ चुका है। इससे जी-7 (त्र-7) और नाटो जैसे उसके पुराने हथियार अब एशियाई-यूरोपीय मामलों में भोथरे साबित हो चुके है। फिर उसने जी-20 (त्र-20) की चाल चली लेकिन यहां भी भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद कर अमेरिकी अरमानों पर पानी फेर दिया।

इधर, भारत की रूसी सहभागिता, चीन की मौजूदगी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ईरान आदि की मौजूदगी वाले एससीओ और ब्रिक्स में बढ़ती दिलचस्पी से अमेरिकी चौधराहट को एक नया खतरा उत्पन्न हो गया है। वैसे तो अमेरिकी डीप स्टेट ने भारत-चीन संबंधों को बिगाड़ने की पूरी चाल चली, लेकिन परिपक्व भारतीय कूटनीति के सामने अकसर वह लाचार दिखा। वहीं, भारत के पड़ोसी देशों को भड़काकर भी वह अपना उल्लू सीधा नहीं कर सका। यही वजह है कि भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता से पहले रूस-चीन के लिए उसने जी-तीन का नया चारा डाल दिया।

ऐसे में जहां रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास भी अमेरिका से हाथ मिलाने की अपनी बड़ी वजहें हैं। वास्तव में पुतिन की मजबूरी है कि करीब साढ़े चार साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध में वो उलझे हुए हैं, जिसने रूस की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है और मोर्चे पर भी कोई साफ जीत नजर नहीं आ रही है। वहीं दूसरी तरफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग काफी मजबूत स्थिति में हैं। तभी तो वो बिश्केक, काहिरा और दिल्ली का दौरा खत्म करने के बाद सीधे व्हाइट हाउस, अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं। चूंकि शी जिनपिंग की स्थिति मजबूत है और वह हर मामले में सधी हुई चाल चलते हैं। इसलिए ट्रंप उनके मुरीद हैं। मुंह में राम, बगल में छुरी वाले अंदाज में।

हालांकि, भारत अपनी अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास दर की रफ्तार बढ़ाकर खुद को इतना मजबूत बना सकता है कि G-3 का कोई भी देश भारत को नजरअंदाज करने की स्थिति में न रहे। यानी भारत अपनी आर्थिक ताकत में इजाफा करके स्थिति को कभी भी अपने पक्ष में कर लेगा। वहीं, जिस तरह रूस और चीन ब्रिक्स का इस्तेमाल करते हुए भी अमेरिका से सीधा फायदा निकालते आए हैं, ठीक वैसे ही भारत भी सभी बड़े देशों से अपने हितों के हिसाब से सीधे रिश्ते साधकर वैश्विक मेज पर अपनी जगह मजबूत रखेगा। इसके दृष्टिगत भारत स्मार्ट और व्यवहारिक कूटनीतिक का सहारा लेगा। इसके अलावा, भारत फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देशों के साथ मिलकर एक नया मजबूत मोर्चा खड़ा कर सकता है और इस प्रकार जो मिडिल पावर्स का नया फ्रंट बनेगा, उससे भारत लाभांवित होगा। दरअसल, ये वो देश हैं जो दुनिया की कमान सिर्फ तीन देशों के हाथों में सिमटे, ऐसा नहीं होने देना चाहते, इसलिए परस्पर एकजूट हैं।

यह बात दीगर है कि भू-राजनीतिक स्तर पर अमेरिका, रूस और चीन के बीच एक संभावित जी-3 त्रिकोणीय तालमेल या महान शक्ति समझौते की जो चर्चाएँ सामने आ रही हैं, वह अभी कोई औपचारिक और स्थायी गठबंधन नहीं है। चूंकि तीनों देशों के शीर्ष नेताओं की सीधी बातचीत होगी, इसलिए अमेरिकी नेतृत्व बहुपक्षीय संगठनों के बजाय सीधे रूस और चीन के राष्ट्र प्रमुखों से व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क साधने की नीति को प्राथमिकता पर रखता है।

विश्लेषकों का भी मानना है कि दुनिया की ये तीन सबसे बड़ी महाशक्तियाँ आपस में मिलकर वैश्विक व्यवस्था के नियमों को तय करने के लिए एक त्रिकोणीय ढांचा बना सकती हैं, ताकि वैश्विक सत्ता का संतुलन बरकरार रहे।

हिन्दी दिवस विशेष

हिन्दी: विरासत भी, वर्तमान भी और भविष्य भी

डॉ. आसिफ उमर
एसोसिएट प्रोफेसर,
हिन्दी विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

भाषा केवल शब्दों का समूह नहीं होती। वह किसी समाज की स्मृति, संस्कृति, संवेदना, संघर्ष, स्वप्न और भविष्य की आकांक्षाओं को अपने भीतर संजोए रहती है। भाषा मनुष्य को केवल बोलना नहीं सिखाती, बल्कि उसे अपने समय और समाज से संवाद करना भी सिखाती है। भारत जैसे बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश में हिन्दी ने संवाद की एक ऐसी व्यापक भूमिका निभाई है, जिसने विविधताओं के बीच आत्मीयता और संपर्क का मार्ग प्रशस्त किया है। हिन्दी हमारे लिए केवल एक भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की अनुभूतियों, अभिव्यक्तियों और सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना की सशक्त आवाज़ है।

हर वर्ष 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल किसी औपचारिक आयोजन, भाषण या समारोह का अवसर नहीं होना चाहिए। वास्तव में यह दिन आत्ममंथन का दिन है—हम यह विचार करें कि जिस भाषा ने हमें अपनी बात कहने का सामर्थ्य दिया, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या है? क्या हिन्दी हमारे दैनिक जीवन, शिक्षा, प्रशासन, शोध, विज्ञान, तकनीक, व्यापार और डिजिटल संसार में उसी आत्मविश्वास के साथ उपस्थित है, जिसकी वह अधिकारी है? 14 सितंबर हमें इसी प्रश्न के सामने खड़ा करता है।

हिन्दी का गौरवशाली सफर : हिन्दी का विकास किसी एक समय, क्षेत्र या व्यक्ति की देन नहीं है। यह सदियों से भारतीय जनजीवन में बहती आ रही भाषायी और सांस्कृतिक धाराओं के मिलन से विकसित हुई है। लोकभाषाओं, बोलियों, साहित्यिक परंपराओं और विभिन्न भारतीय भाषाओं के निरंतर संपर्क ने हिन्दी को व्यापक स्वरूप प्रदान किया। कबीर की निर्भीक वाणी से लेकर तुलसी की लोकमंगल भावना तक, सूर की भक्ति से लेकर प्रेमचंद के सामाजिक यथार्थ तक और निराला की स्वाधीन चेतना से लेकर समकालीन साहित्यकारों की नई संवेदनाओं तक हिन्दी ने समय के साथ स्वयं को निरंतर बदला और समृद्ध किया है।

हिन्दी की सबसे बड़ी शक्ति उसका जीवन से जुड़ाव है। उसने राजमहलों से अधिक जनसाधारण के बीच अपनी जड़ें मजबूत कीं। उसने खेतों, गलियों, बाजारों, विश्वविद्यालयों, साहित्यिक मंचों, समाचार-पत्रों, फिल्मों और अब डिजिटल मंचों तक अपनी यात्रा की है। यही जीवंतता हिन्दी को दूसरी भाषाओं से अलग पहचान देती है।

हिन्दी: विविधता को जोड़ने वाली भाषा- भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। देश में अनेक भाषाएँ और बोलियाँ हैं, जिनकी अपनी समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत है। इस विविधता को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके बीच संवाद को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हिन्दी इस संवाद की महत्वपूर्ण कड़ी है। हिन्दी का विस्तार किसी अन्य भारतीय भाषा के विरोध में नहीं, बल्कि भारतीय भाषायी परिवार के साथ सह-अस्तित्व और सहयोग की भावना के साथ होना चाहिए। हमें हिन्दी को दूसरी भारतीय भाषाओं का विकल्प नहीं, बल्कि उनके साथ संवाद करने वाली एक सशक्त भाषा के रूप में देखना चाहिए। भारत की भाषायी विविधता हमारी कमजोरी नहीं, हमारी सांस्कृतिक पूँजी है। हिन्दी तभी वास्तव में मजबूत होगी, जब वह अन्य भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हुए उनके साथ आगे बढ़ेगी।

बदलती दुनिया में हिन्दी की नई भूमिका- एक समय था जब हिन्दी के वैश्विक विस्तार की चर्चा मुख्यत: प्रवासी भारतीयों और साहित्यिक गतिविधियों तक सीमित थी। आज परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता, ऑनलाइन शिक्षा, मनोरंजन उद्योग और वैश्विक संचार ने हिन्दी के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। आज हिन्दी में सामग्री केवल भारत के पाठकों के लिए नहीं बन रही। दुनिया के अनेक हिस्सों में हिन्दी पढ़ी, सुनी और समझी जा रही है। हिन्दी सिनेमा, संगीत, वेब सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने हिन्दी को वैश्विक दर्शकों तक पहुँचाया है। यह विस्तार केवल संख्या का विस्तार नहीं है; यह हिन्दी की स्वीकार्यता और उपयोगिता में हो रहे परिवर्तन का संकेत भी है। दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है और भाषा का भविष्य भी डिजिटल मंचों पर तय होगा। यदि हिन्दी को आने वाली पीढ़ियों की भाषा बनाए रखना है तो उसे तकनीक के साथ कदम मिलाकर चलना होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में हिन्दी- आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन अनुवाद, वॉइस टेक्नोलॉजी और डिजिटल ज्ञान के युग में प्रवेश कर चुके हैं। यह हिन्दी के सामने एक बड़ी चुनौती भी है और एक अभूतपूर्व अवसर भी। यदि तकनीक हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री तैयार कर सकती है, हिन्दी को समझ सकती है और हिन्दी में संवाद कर सकती है, तो करोड़ों लोगों के लिए ज्ञान और सूचना की दुनिया अधिक सुलभ हो सकती है। लेकिन इसके लिए केवल हिन्दी में सामग्री की मात्रा बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। हमें उच्च गुणवत्ता वाले हिन्दी डेटा, वैज्ञानिक शब्दावली, तकनीकी साहित्य, शोध सामग्री और डिजिटल संसाधनों का निर्माण करना होगा।

हिन्दी को केवल भावनाओं की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की भाषा भी बनाना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिन्दी में भौतिकी पढ़ी जा सके, चिकित्सा विज्ञान पर गंभीर सामग्री उपलब्ध हो, कानून समझा जा सके, प्रबंधन और अर्थशास्त्र का अध्ययन किया जा सके तथा नई तकनीकों पर शोध किया जा सके। जिस भाषा में ज्ञान का निर्माण नहीं होता, उसकी भूमिका धीरे-धीरे सीमित हो जाती है। इसलिए हिन्दी का अगला अभियान 'ज्ञान की हिन्दी' का अभियान होना चाहिए।

हिन्दी और रोजगार- भाषा को मजबूत करने के लिए उसके साथ रोजगार और अवसरों को जोड़ना भी आवश्यक है। युवा तभी किसी भाषा को आत्मविश्वास के साथ अपनाएगा, जब उसे लगेगा कि वह भाषा उसके भविष्य को बेहतर बनाने में सहायक है। पत्रकारिता, अनुवाद, प्रकाशन, विज्ञापन, सिनेमा, रेडियो, डिजिटल मीडिया, कंटेंट निर्माण, पर्यटन, शिक्षा, प्रशासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे अनेक क्षेत्रों में हिन्दी के लिए नई संभावनाएँ पैदा हो रही हैं।

हमें इन अवसरों को पहचानना होगा और हिन्दी शिक्षा को समय की जरूरतों के अनुरूप बनाना होगा। हिन्दी का विद्यार्थी केवल साहित्य का अध्येता न रहे; वह अनुवादक, संपादक, शोधकर्ता, डिजिटल कंटेंट विशेषज्ञ, तकनीकी लेखक और भाषा-प्रौद्योगिकी का विशेषज्ञ भी बने। हिन्दी का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब हिन्दी के साथ भविष्य की संभावनाएँ भी जुड़ी होंगी।

हिन्दी दिवस: उत्सव से अधिक संकल्प- हिन्दी दिवस के अवसर पर हर वर्ष अनेक कार्यक्रम होते हैं। भाषण दिए जाते हैं, प्रतियोगिताएँ आयोजित होती हैं और हिन्दी के महत्व पर चर्चा की जाती है। यह सब आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं। हिन्दी दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब हिन्दी हमारे व्यवहार का हिस्सा बने। हम अपने कार्यालय में हिन्दी का अधिक प्रयोग करें। अपने पत्र-व्यवहार में हिन्दी को स्थान दें। बच्चों को हिन्दी पढ़ने के लिए प्रेरित करें। हिन्दी की अच्छी पुस्तकें खरीदें। हिन्दी में गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सामग्री तैयार करें। हिन्दी में शोध करें। हिन्दी में विज्ञान और तकनीक को समझने की कोशिश करें। हमें हिन्दी को केवल 'हिन्दी दिवस' तक सीमित नहीं करना है। हिन्दी को वर्ष के 365 दिनों की भाषा बनाना है।

भाषा पर गर्व, दूसरी भाषाओं का सम्मान- हिन्दी के प्रति प्रेम का अर्थ दूसरी भाषाओं से दूरी बनाना नहीं है। एक भारतीय अनेक भाषाओं का ज्ञान रखते हुए भी हिन्दी से प्रेम कर सकता है और अपनी मातृभाषा का सम्मान कर सकता है। वास्तव में बहुभाषिकता भारतीय समाज की शक्ति है। हमें ऐसी भाषायी संस्कृति विकसित करनी चाहिए जिसमें हिन्दी के प्रति गर्व हो, अंग्रेजी सहित अन्य विदेशी भाषाओं के ज्ञान का स्वागत हो और भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान बना रहे। हिन्दी को आगे बढ़ाने का सबसे सुंदर रास्ता यही है कि हम उसे प्रेम से अपनाएँ, दबाव से नहीं।

हमें कैसी हिन्दी चाहिए- हमें ऐसी हिन्दी चाहिए जो सरल हो, सहज हो और आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं को व्यक्त करने में सक्षम हो। ऐसी हिन्दी जो नए शब्दों से घबराए नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आत्मसात करे। ऐसी हिन्दी जो विज्ञान से संवाद करे, तकनीक को समझे, युवाओं से जुड़े और वैश्विक समाज के साथ कदम मिलाकर चले। हमें हिन्दी को कठिन शब्दों के बोझ से नहीं, बल्कि स्पष्ट अभिव्यक्ति की शक्ति से समृद्ध करना होगा। हिन्दी की सुंदरता उसकी सहजता में है। वह जितनी अधिक लोगों तक पहुँचेगी, उतनी ही अधिक शक्तिशाली होगी।

आज लें एक संकल्प- इस हिन्दी दिवस पर हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि हिन्दी हमारी राजभाषा है, हिन्दी हमारी संस्कृति की भाषा है या हिन्दी करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाती है। हमें अपने स्तर पर एक छोटा लेकिन सार्थक संकल्प लेना चाहिए। हम हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे।

जहाँ संभव हो, अपने कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करेंगे। हिन्दी में पत्र लिखेंगे, हिन्दी में पढ़ेंगे, हिन्दी में लिखेंगे और हिन्दी की पुस्तकों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँगे। डिजिटल दुनिया में हिन्दी सामग्री को बढ़ावा देंगे और आने वाली पीढ़ी को हिन्दी से जोड़ेंगे। लेकिन यह संकल्प किसी दूसरी भाषा के प्रति असम्मान का संकल्प नहीं होगा। यह अपनी भाषा के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का संकल्प होगा।

किसी भाषा का भविष्य केवल सरकारें तय नहीं करतीं। उसका भविष्य उसके बोलने वालों के व्यवहार से तय होता है। यदि हम हिन्दी का प्रयोग करेंगे तो हिन्दी आगे बढ़ेगी। यदि हम हिन्दी में ज्ञान का निर्माण करेंगे तो हिन्दी ज्ञान की भाषा बनेगी। यदि हम हिन्दी को तकनीक से जोड़ेंगे तो हिन्दी डिजिटल भविष्य की भाषा बनेगी।

हिन्दी का भविष्य हमारे हाथों में- हिन्दी के सामने चुनौतियाँ अवश्य हैं, लेकिन संभावनाएँ उससे कहीं बड़ी हैं। आज आवश्यकता हिन्दी के अतीत पर गर्व करने के साथ उसके भविष्य का निर्माण करने की है। हमें ऐसी हिन्दी चाहिए जो परंपरा से जुड़ी हो, लेकिन भविष्य की ओर देखती हो; जो अपनी जड़ों में गहरी हो, लेकिन दुनिया से संवाद करने का साहस रखती हो; जो साहित्य की संवेदना को विज्ञान की तार्किकता से जोड़ सके; जो गाँव की चौपाल से लेकर वैश्विक डिजिटल मंच तक समान आत्मविश्वास के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके।

हिन्दी की यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है। वास्तव में हिन्दी के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय शायद अभी लिखा जाना बाकी है। वह अध्याय हम लिखेंगे—अपने लेखन से, अपने शोध से, अपनी शिक्षा से, अपनी तकनीक से और सबसे बढ़कर अपने व्यवहार से। आइए, इस हिन्दी दिवस पर हिन्दी को केवल याद न करें, हिन्दी को जिएँ। आइए, संकल्प लें कि जहाँ हिन्दी में काम करना संभव है, वहाँ हम हिन्दी को प्राथमिकता देंगे। हिन्दी में सोचेंगे, हिन्दी में लिखेंगे, हिन्दी में ज्ञान का निर्माण करेंगे और हिन्दी को नई पीढ़ी के सपनों से जोड़ेंगे। क्योंकि भाषा तभी जीवित रहती है, जब वह केवल किताबों में नहीं, जीवन में बोली जाती है। हिन्दी हमारी पहचान है, हमारी अभिव्यक्ति है, हमारी संवेदना है और हमारे भविष्य की संभावनाओं की भाषा भी है।

इस हिन्दी दिवस पर यही हमारा संकल्प हो— 'हिन्दी का सम्मान करेंगे, हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे और हिन्दी को ज्ञान, तकनीक तथा वैश्विक संवाद की सशक्त भाषा बनाएँगे।' हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

28 साल में एक ही टाइटल से बनीं 9 फिल्में, जिसने मेकर्स को कर दिया कंगाल

फिल्मों के हिट और फ्लॉप के लिए केवल उसकी कहानी ही नहीं बल्कि उसका टाइटल भी मायने रखता है. मूवीज का टाइटल जितना अट्रैक्टिव होगा उसे उतना अछा रिस्पांस बॉक्स ऑफिस पर मिलता है. लेकिन आज आपको हिंदी सिनेमा के ऐसे टाइटल के बारे में बता रहे हैं, जिसे मनहूस का टैग मिला. 28 साल में एक ही टाइटल से 9 फिल्में बनीं, जिसकी वजह से मेकर्स कंगाल हो गए.

कर्ज

कर्ज टाइटल से पहली बार फिल्म साल 1980 में आई थी, जिसमें ऋषि कपूर लीड रोल में थे. इसमें टीना अंबानी और सिमी गरेवाल थीं. बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 2.75 करोड़ था. फिल्म फ्लॉप रही थी. लेकिन इसके गाने ओम शांति और एक हसीना थी वायरल हुए थे. फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस फ्लॉप रही लेकिन बाद में ये कल्ट क्लासिक साबित हुई थी.

कर्ज़ (1980)

दूध का कर्ज

जैकी श्रॉफ और नीलम कोठारी स्टारर फिल्म दूध का कर्ज 1990 में रिलीज हुई थी. फिल्म की कहानी और प्लॉट के साथ ही नीलम और जैकी की केमिस्ट्री को लोगों ने काफी पसंद किया था. सांप और सपेरे के जीवन पर आधारित इस फिल्म के गाने भी हिट रहे थे. लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी. हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में इसे हिट कहा जाता है तो कुछ में फ्लॉप. इसकी सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है.

प्यार का कर्ज

मिथुन चक्रवर्ती, धर्मेंद्र, मीनाक्षी शेषाद्रि और नीलम स्टारर फिल्म प्यार का कर्ज को साल 1990 में रिलीज किया गया था. ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर नहीं बन सकी थी.

1991 में आई तीन फिल्में और तीनों फ्लॉप

यही नहीं, साल 1991 में कर्ज टाइटल से तीन फिल्मों को रिलीज किया गया और तीनों ही फ्लॉप साबित हुई थीं. इसमें कर्ज चुकाना है, महान कर्ज और खून का कर्ज जैसी फिल्में शामिल हैं. विनोद खन्ना, रजनीकांत, संजय दत्त और डिंपल कपाड़िया स्टारर फिल्म खून का कर्ज साल 1991 की बड़ी रिलीज में से एक थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी. इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फिल्म का निर्माण 3.25 करोड़ के बजट में किया गया था और इसने ग्रॉस कलेक्शन 8.8 करोड़ और इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इसने 4 करोड़ कमाए थे।

52 की उम्र में भी इंटेस वर्कआउट करती हैं मलाइका

हम अक्सर सुनते हैं कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, और इस बात को सबसे बेहतर तरीके से मलाइका अरोड़ा साबित करती हैं। इंस्टाग्राम पर वह लगातार अपने फिटनेस वीडियो के जरिए लोगों को प्रेरित करती रहती हैं। हाल ही में शेयर किए गए एक वीडियो में मलाइका बेहद कठिन वर्कआउट करती नजर आ रही हैं, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, बैलेंस एक्सरसाइज और फंक्शनल मूवमेंट्स शामिल हैं। जहां ज्यादातर लोगों के लिए ऐसा वर्कआउट करना काफी थकाने वाला और चुनौतीपूर्ण हो सकता है, वहीं मलाइका पूरे सत्र के दौरान पूरी तरह नियंत्रण में दिखाई देती हैं। यह उनकी फिटनेस के प्रति वर्षों से चली आ रही प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हालांकि कई सेलिब्रिटी अपने शारीरिक बदलाव दिखाने के लिए वर्कआउट वीडियो साझा करते हैं, लेकिन मलाइका का यह वीडियो रोजमर्रा की जिंदगी के लिए एक महत्वपूर्ण सीख भी देता है। सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बेहतर मूवमेंट के लिए है यह एक्सरसाइजवीडियो में दिखाई गई एक्सरसाइज को देखकर लगता है कि यह रूटीन केवल मांसपेशियां बनाने पर केंद्रित नहीं है। यह शरीर के संतुलन, तालमेल और नियंत्रण को भी बेहतर बनाता है, जो बढ़ती उम्र के साथ और अधिक जरूरी हो जाते हैं।फिटनेस ट्रेनर इस तरह की ट्रेनिंग को अक्सर फंक्शनल फिटनेस कहते हैं, क्योंकि यह शरीर को रोजमर्रा के कामों और गतिविधियों के लिए तैयार करती है।वीडियो से साफ है कि इसका मकसद सबसे भारी वजन उठाना या कैमरे के सामने दिखावटी एक्सरसाइज करना नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर को सही तरीके से और नियमित रूप से सक्रिय रखना है।इस वीडियो को लोगों का इतना ध्यान मिलने की एक वजह यह भी है कि आजकल स्वस्थ तरीके से उम्र बढ़ाने (हेल्दी एजिंग) को लेकर काफी चर्चा हो रही है।उम्र बढ़ने के साथ शरीर में मांसपेशियों और हड्डियों की घनत्व (बोन डेंसिटी) स्वाभाविक रूप से कम होने लगती है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग इस प्रक्रिया को धीमा करने में मदद करती है और जोड़ों की सेहत, सही पोस्चर तथा संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।कई शोध बताते हैं कि रेजिस्टेंस एक्सरसाइज लंबे समय तक चलने-फिरने की क्षमता और आत्मनिर्भरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।खासकर महिलाओं के लिए मेनोपॉज के दौरान और उसके बाद स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और भी जरूरी हो जाती है, क्योंकि इस समय हार्मोनल बदलाव मांसपेशियों और हड्डियों दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

सिंटा ऑफिस में भिड़ीं पूनम-उपासना, पुलिस ने लगाई लताड़

लाकारों के अधिकारों के लिए बनी संस्था सिंटा के अंदर हालात कितने बेकाबू हो चुके हैं, इसकी बानगी हाल ही में तब देखने को मिली जब कार्यकारी समिति के सदस्यों के इस्तीफे के बाद शुरू हुआ यह घमासान थाने-चौकी और प्रेस कॉन्फ्रेंस तक पहुंच गया। चुनाव सिर पर हैं, लेकिन उससे पहले बैंक खातों के फ्रीज होने और ऑफिस में हुई तीखी झड़प ने इस पूरी संस्था की साख पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान महासचिव पद्मिनी कोल्हापुरे काफी आक्रामक नजर आईं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिंटा के बैंक खाते फ्रीज होने के पीछे उपासना सिंह और दीपक पाराशर का हाथ है।

पद्मिनी ने कहा, जिस दिन से यह घटना शुरू हुई 7 तारीख से, उपासना सिंह और दीपक पाराशर इसके पीछे थे। वे हमारे बैंकों में गए, सादे कागज पर साइन किए और सिंटा के खाते फ्रीज करवा दिए। उन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं था। तब से हमारे खाते फ्रीज हैं। हम वेलफेयर के काम नहीं कर पा रहे और अपने स्टाफ की सैलरी तक नहीं दे पा रहे हैं। आप हमसे लड़ सकते हैं, लेकिन हमारे स्टाफ के पैसे क्यों रोके जा रहे हैं? यह बिल्कुल गलत है।

वहीं, अध्यक्ष पूनम ढिल्लों ने सिंटा और सिने आर्टिस्ट्स वेलफेयर ट्रस्ट के बीच प्रस्तावित एमओयू पर बात करते हुए बताया कि जब मेडिकल इमरजेंसी के लिए फंड की बात आई, तो के पास पैसे नहीं होने की बात सामने आई, जिसके बाद विवाद और गहरा गया। वाइस प्रेसिडेंट सीपी ठाकुर ने भी स्पष्ट किया कि यह विवाद फंड के गबन का नहीं, बल्कि फंड को में ट्रांसफर करने के प्रस्ताव और ऑथराइज्ड सिग्नेटरीज के अधिकारों को लेकर था।

दूसरी ओर, जब उपासना सिंह और असंतुष्ट सदस्यों ने गोपनीय दस्तावेजों को ऑफिस से बाहर ले जाने का आरोप लगाया, तो सिंटा दफ्तर के अंदर भारी हंगामा और तीखी झड़प देखने को मिली। दोनों पक्षों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि तुरंत पुलिस बुलानी पड़ी।

रियल लाइफ में भी बेहद बोल्ड हैं जिनी जैज

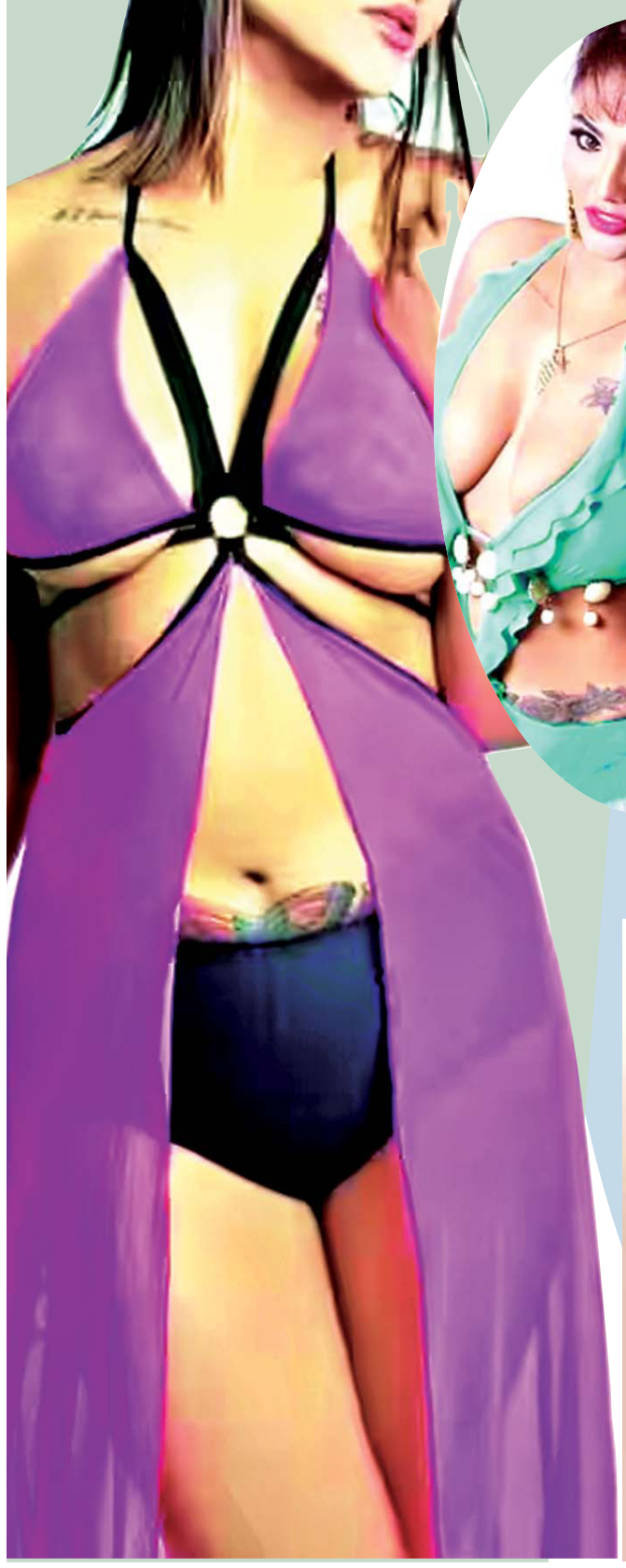

उल्लू ऐप की वेब सीरीज चरमसुख से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस जिनी जैज सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जिनी जैज का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी बोल्ड फोटोज से भरा पड़ा है। जिनी जैज जितना रील लाइफ में बोल्ड हैं उतना ही रियल लाइफ में बोल्ड नजर आती हैं। जिनी जैज के फैंस उनकी झलक देखने के लिए बेताब रहते हैं और वह भी अपने फैंस के लिए तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। यहां पर जिनी जैज की कुछ बोल्ड फोटोज हैं जिन्हें देखने के बाद आपके दिलों की धड़कन बढ़ जाएगी।

जिनी जैज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने बोल्ड फोटोज दिखाती रहती हैं। जिनी जैज की कातिलाना अदाएं फैंस को घायल कहती हैं।

जिनी जैज ने बिकिनी पहनकर ऐसा पोज दिया है कि फैंस आहें भरेंगे। जिनी जैज ऐसे ही तमाम फोटोज शेयर करती रहती हैं।

जिनी जैज कराती हैं बोल्ड फोटोशूट

जिनी जैज का एक से बढ़कर एक बोल्ड अंदाज फैंस का ध्यान खींचता है। जिनी जैज काफी बोल्ड फोटोशूट कराती हैं।

जिनी जैज की बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होती हैं। जिनी जैज के फैंस उनपर जमकर प्यार लुटाते हैं।

जिनी जैज अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। जिनी जैज की झलक देखने के लिए फैंस बेताब रहते हैं।जिनी जैज ने टॉपलेस होकर अपने बदन को साड़ी से ढका है। जिनी जैज ऐसा अंदाज फैंस को दीवाना बना देता है।जिनी जैज को इंस्टाग्राम पर 5 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। जिनी जैज की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती हैं।

जिनी जैज ने प्यारी स्माइल से फैंस को घायल कर दिया। जिनी जैज की ऐसी ही अदाओं पर फैंस लट्टू हो जाते हैं।

जिनी जैज ने उल्लू एप की तमाम वेब सीरीज में काम किया है। जिनी जैज की बोल्डनेस ने वेब सीरीज को काफी पॉपुलर बना दिया।

भोजपुरी सिनेमा के ये एक्टर्स हैं सबसे अमीर

भोजपुरी सिनेमा की ऑडियंस सिर्फ बिहार तक ही सीमित नहीं है. लोकप्रियता के मामले में भोजपुरी इंडस्ट्री काफी आगे है. तो चलिए आज हम आपको भोजपुरी के उन 5 एक्टर्स के बारे में बताएंगे, जो सबसे अमीर हैं...

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह का आता है. जी न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पवन सिंह करीब 41 करोड़ रुपये की संप्ति के मालिक हैं. अभिनेता एक फिल्म के लिए 40 से 50 लाख वसूलते हैं और गानों के लिए 1-2 लाख फीस लेते हैं. वहीं मुंबई के लोखंडवाला में पवन सिंह का एक आलीशान फ्लैट भी है. एक्टर को महंगी गाड़ियों का भी खूब शौक है.

फिल्मों के अलावा मनोज तिवारी राजनीति में भी अपना दमखम दिखा चुके हैं. एक बेहतरीन एक्टर होने के साथ-साथ वे गायक और म्यूजिक डायरेक्टर भी हैं. रिपोर्ट्स के अनुसाल, उनके पास 24 से 25 करोड़ की संपत्ति है.रवि किशन भोजपुरी इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम हैं. पिछले लंब समय से भोजपुरी इंडस्ट्री पर राज करते आ रहे रवि किशन भी करोड़ों रुपये के मालिक हैं. उनके नेटवर्थ की बात करें तो रवि किशन के पास 20 से 21 करोड़ रुपये हैं.वहीं खेसारी लाल यादव की कुल संपत्ति करीब 18 से 20 करोड़ रुपये है. वह एक फिल्म के लिए 50 से 60 लाख रुपये फीस लेते हैं.भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के नेटवर्थ की बात करें तो वे 10 करोड़ रुपये के मालिक हैं।

ऐसी फिल्मों की तलाश है जो दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें : माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित नेने का कहना है कि वह सार्थक सिनेमा करने की इच्छुक हैं क्योंकि उनका मानना है कि ऐसी फिल्मों का दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।90 के दशक के हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार, जिन्हें दिल, साजन, हम आपके हैं कौन.. !अभिनेता ने एक साक्षात्कार में पीटीआई को बताया, मैं ऐसी फिल्मों और भूमिकाओं की तलाश में हूं जो करने के लिए अलग हों और फिर भी वे दर्शकों पर प्रभाव डालें और उन्हें सोचने पर मजबूर करें।उनकी नई मराठी फिल्म पंचक, जिसका उन्होंने निर्माण भी किया है, अंधविश्वास और मृत्यु के भय जैसे विषयों पर आधारित है। जब मैंने 'पंचक' की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मुझे यह तुरंत पसंद आई क्योंकि यह कॉमिक लेंस के साथ अंधविश्वास पर एक अलग दृष्टिकोण था। फिल्म के जरिए हम यह कहने की कोशिश कर रहे हैं कि जिंदगी में डरो मत, संतुलित नजरिया रखो।प्रकाश झा द्वारा निर्देशित फिल्म, जिसमें शबाना आजमी, शिल्पा शिरोडकर, ओम पुरी भी थे, सामाजिक और लैंगिक अन्याय पर एक टिप्पणी थी और माधुरी का मानना है कि इसने एक अभिनेता के रूप में उन्हें चुनौती दी।

बिजली विवाद ने लिया हिंसक रूप: नया भोजपुर में पथराव और फायरिंग से मची दहशत, 10 नामजद

एक ही ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति को लेकर बढ़ा विवाद, ईंट लगने से 50 वर्षीय मो. जहीर दर्जी घायल; पुलिस ने खोखा और जिंदा कारतूस किया बरामद

बक्सर (संवाददाता)। जिले के डुमरांव अनुमंडल अंतर्गत नया भोजपुर थाना क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ा विवाद शनिवार की देर शाम अचानक हिंसक हो गया। वार्ड संख्या छह के दर्जी मोहल्ले और वार्ड संख्या सात की अनुसूचित जाति बस्ती के लोगों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते पथराव और कथित फायरिंग तक पहुंच गया। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बना रहा। पथराव के दौरान मो. जहीर दर्जी (50) के सिर में ईंट लग गई, जिससे उनका माथा फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के संबंध में घायल मो. जहीर दर्जी के बयान पर नया भोजपुर थाना में 10 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में सक्रियता बढ़ा दी है और नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस की तत्परता के बाद फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार वार्ड संख्या छह स्थित दर्जी मोहल्ले और वार्ड संख्या सात की अनुसूचित जाति बस्ती में एक ही ट्रांसफार्मर से बिजली की आपूर्ति होती है। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रांसफार्मर पर अधिक भार होने के कारण यहां अक्सर बिजली से संबंधित समस्याएं उत्पन्न होती रहती हैं। लोकल फॉल्ट और बिजली बाधित होने के साथ-साथ ट्रांसफार्मर के पास लगे स्वीच को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनातनी की स्थिति बनी हुई थी।

शनिवार की रात करीब आठ बजे बिजली गुल होने के बाद इसी मुद्दे को लेकर विवाद ने अचानक तूल पकड़ लिया। आरोप है कि कुछ देर बाद दर्जनों युवक दर्जी मोहल्ले की ओर पहुंचे और वहां ईंट-पत्थर चलाने लगे। अचानक हुए पथराव से इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इसी दौरान दरवाजे पर बैठे मो. जहीर दर्जी के सिर में ईंट लग गई। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए ले जाया गया।

पथराव के साथ फायरिंग किए जाने के आरोप ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। फायरिंग की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों के अनुसार घटना के दौरान लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हो गए और कई लोग भय के कारण अपने-अपने घरों में दुबक गए। कुछ समय के लिए पूरा इलाका तनाव और दहशत की स्थिति में रहा।

घटना की सूचना मिलते ही नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार सदल-बल घटनास्थल के लिए रवाना हुए और करीब 10 मिनट के अंदर मौके पर पहुंच गए। पुलिस की सक्रियता के बाद उपद्रव पर तत्काल नियंत्रण पाया गया। बाद में देर रात प्रभारी एसडीपीओ समीर कुमार सिंह, सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार तथा बड़ी संख्या में पुलिस बल भी घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया और घटना से जुड़े साक्ष्यों को जुटाया।

पुलिस की जांच के दौरान घटनास्थल से एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना में शामिल लोगों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। घायल मो. जहीर दर्जी के बयान के आधार पर दर्ज प्राथमिकी में 10 लोगों को नामजद किया गया है। नामजद आरोपितों में सूर्या कुमार पासवान, जगनारायण पासवान, विशाल पासवान, रौशन पासवान, देवा पासवान, करण पासवान, मंकी पांडेय, विवेक पांडेय, विनोद पासवान और मनोज पासवान शामिल हैं। पुलिस के अनुसार नामजद सभी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों मोहल्लों की बिजली आपूर्ति एक ही ट्रांसफार्मर पर निर्भर होने के कारण अक्सर ओवरलोड की समस्या सामने आती है। अधिक भार के कारण लोकल फॉल्ट और बिजली बाधित होने जैसी शिकायतें बनी रहती हैं। ग्रामीणों के मुताबिक ट्रांसफार्मर के पास लगे स्वीच को लेकर भी दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति पहले से बनी हुई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली व्यवस्था से जुड़ी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने के कारण मामूली विवाद भी तनाव का रूप ले सकता है। शनिवार की घटना में भी बिजली गुल होने के बाद विवाद बढ़ा और कुछ ही समय में स्थिति पथराव तक पहुंच गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने और ट्रांसफार्मर की क्षमता से जुड़ी समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की।

घटना के बाद ग्रामीणों ने विवाद के पीछे शराब के अवैध कारोबार को भी एक अहम कारण बताया। घायल जहीर द्वारा दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि इलाके में शराब तस्करी से जुड़े कुछ लोग जानबूझकर ट्रांसफार्मर का स्वीच बंद कर देते हैं, ताकि अंधेरे में अवैध गतिविधियों को संचालित किया जा सके। हालांकि इन आरोपों पर प्रशासनिक कार्रवाई और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। रविवार को प्रशासन के समक्ष ग्रामीणों ने भी इलाके में लंबे समय से शराब के अवैध कारोबार की शिकायत रखी। ग्रामीणों का कहना था कि अवैध गतिविधियों के कारण महिलाओं और बच्चियों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से शराब तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई करने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम शाहिला के निर्देश पर रविवार को डुमरांव एसडीएम राजीव कुमार नया भोजपुर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों के प्रबुद्धजनों के साथ बैठक की और घटना से जुड़े पूरे मामले की जानकारी ली। एसडीएम ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और विवाद के मूल कारणों को समझने का प्रयास किया। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के अलावा इलाके की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित कई मुद्दे प्रशासन के सामने रखे। ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर के ओवरलोड, सुनसान स्थानों, स्ट्रीट लाइट की कमी और शराब तस्करी जैसी समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, संवेदनशील और सुनसान स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो तथा संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए तो इलाके में होने वाली कई समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

ग्रामीणों की शिकायतों को सुनने के बाद एसडीएम राजीव कुमार ने बिजली विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। मौके पर मौजूद बिजली विभाग के सहायक अभियंता अर्जुन कुमार वर्मा और जेई जितेन्द्र कुमार को ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने अथवा आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया गया। प्रशासन के इस निर्देश का उद्देश्य बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्या और ओवरलोड की स्थिति को कम करना है। ग्रामीणों ने भी बिजली व्यवस्था में सुधार को क्षेत्र में तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका कहना है कि नियमित और व्यवस्थित बिजली आपूर्ति होने से ट्रांसफार्मर के स्वीच को लेकर होने वाले विवाद की संभावना भी कम हो सकती है।

तेज रफ्तार बाइक ट्रक के नीचे घुसी, दो युवकों की दर्दनाक मौत; आक्रोशित ग्रामीणों ने चौसा-कोचस मुख्य मार्ग किया जाम

बक्सर (संवाददाता)। जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में रविवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा चौसा-कोचस मुख्य मार्ग पर अखौरीपुर गोला और कोचाढ़ी के बीच यादव ढाबा के समीप हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से के नीचे जा घुसी। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि बाइक सवार दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवकों की पहचान कर ली गई है। मृतकों में राजपुर थाना क्षेत्र के कोचाढ़ी गांव निवासी नुनु नट के 22 वर्षीय पुत्र योगा उर्फ बबलू नट तथा उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सजना-सलारपुर गांव निवासी मुनर नट के 32 वर्षीय पुत्र सुहैल नट शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सुहैल नट रिश्तेदारी के सिलसिले में अपनी ससुराल आया हुआ था। इसी दौरान वह योगा उर्फ बबलू नट के साथ बाइक से अखौरीपुर गोला की ओर जा रहा था।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की शाम दोनों युवक बाइक से अखौरीपुर गोला की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान यादव ढाबा के समीप उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक समेत दोनों युवक ट्रक के नीचे जा पहुंचे। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं और मौके पर स्थिति बेहद भयावह हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायल युवकों को वहां से निकालकर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा।

पुलिस की मदद से दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी हालत बेहद गंभीर थी। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने दोनों की जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद हादसे की सूचना दोनों युवकों के परिजनों को दी गई।

एक ही सड़क हादसे में दो युवकों की मौत की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। पुलिस द्वारा दोनों शवों को अस्पताल ले जाने के बाद ग्रामीणों ने चौसा-कोचस मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन बाधित हो गया और सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। ग्रामीणों के सड़क पर उतरने से कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। पुलिस की ओर से लोगों को मामले में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा देते हुए सड़क जाम समाप्त कराने की कोशिश की जाती रही।

पुलिस ने शुरू की हादसे की जांच

पुलिस के अनुसार, सड़क हादसे की जांच की जा रही है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और बाइक के अनियंत्रित होने के पीछे क्या कारण रहा, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।दुर्घटना के बाद चौसा-कोचस मुख्य मार्ग पर ग्रामीणों द्वारा किए गए सड़क जाम को समाप्त कराने के लिए भी पुलिस लगातार लोगों से बातचीत करती रही। पुलिस की कोशिश है कि यातायात व्यवस्था सामान्य हो और घटना के कारण उत्पन्न आक्रोश को शांत किया जा सके।

परिवार में मचा कोहराम, गांव में मातम

हादसे की सूचना जैसे ही दोनों मृतकों के परिजनों तक पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। अचानक हुई दो युवकों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों को विश्वास नहीं हो रहा कि कुछ समय पहले घर से निकले दोनों युवक अब वापस नहीं लौटेंगे। घटना के बाद कोचाढ़ी गांव सहित आसपास के क्षेत्र में भी मातम का माहौल बना हुआ है। योगा उर्फ बबलू नट की मौत से उसके गांव में शोक की लहर है, वहीं उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सजना-सलारपुर गांव निवासी सुहैल नट के परिवार में भी घटना के बाद दुख का माहौल है। सुहैल नट रिश्तेदारी में अपनी ससुराल आया हुआ था और इसी दौरान हुए सड़क हादसे ने परिवार को गहरा सदमा दिया है।

ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' में आरपीएफ बक्सर की बड़ी कार्रवाई, चोरी के मोबाइल के साथ दो गिरफ्तार

बक्सर (संवाददाता)। रेल यात्रियों के सामान एवं मोबाइल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' के तहत बक्सर रेलवे स्टेशन पर विशेष निगरानी एवं जांच अभियान चलाया गया। 12 सितंबर को चलाए गए इस अभियान के दौरान आरपीएफ पोस्ट बक्सर की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध अपराधियों को चोरी के दो मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया।

आरपीएफ की टीम द्वारा स्टेशन परिसर एवं यात्रियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में जांच के दौरान टीम को दो व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। पूछताछ एवं तलाशी की कार्रवाई के दौरान उनके पास से दो चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सुनील कुमार (20 वर्ष), पिता- स्वर्गीय शिवजी चौहान, निवासी रघुनाथपुर, थाना ब्रह्मपुर, जिला बक्सर तथा जितेंद्र पांडेय (28 वर्ष), पिता- अशोक पांडेय, निवासी शाहपुर, थाना शाहपुर, जिला भोजपुर के रूप में हुई है। आरपीएफ बक्सर ने दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को बरामद चोरी के मोबाइल फोन के साथ अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी बक्सर को सुपुर्द कर दिया। अब जीआरपी द्वारा मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बताया गया कि रेल यात्रियों के सामान, मोबाइल एवं अन्य कीमती वस्तुओं की चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार सघन निगरानी, जांच एवं विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा आरपीएफ की प्राथमिकता में है। आरपीएफ की इस कार्रवाई से रेलवे स्टेशन पर चोरी एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति है।

धान के खेतों का हाल देखने निकले बुजुर्ग की भागड़ में डूबने से मौत, घर नहीं लौट सकी आखिरी यात्रा

बक्सर (संवाददाता)। धान की फसल और खेतों का हाल देखने घर से निकले एक बुजुर्ग की रविवार को भागड़ में डूबने से मौत हो गई। खेतों का जायजा लेने निकले रामप्रवेश यादव की यह यात्रा उनकी आखिरी यात्रा साबित होगी, इसका अंदाजा उनके परिजनों को भी नहीं था। घटना चक्की थाना क्षेत्र के लक्ष्मण डेरा गांव की है, जहां 68 वर्षीय रामप्रवेश यादव की महर्षि श्यामसुंदर दास की मठिया के पास स्थित भागड़ में डूबने से मौत हो गई। करीब दोपहर दो बजे ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद उनका शव पानी से बाहर निकाला जा सका।

परिजनों के अनुसार रामप्रवेश यादव रविवार की सुबह करीब सात बजे अपनी मोटरसाइकिल से धान के खेतों का जायजा लेने के लिए घर से निकले थे। उनका उद्देश्य खेतों में लगी धान की फसल और उसकी स्थिति का निरीक्षण करना था। सामान्य दिनों की तरह खेत देखने निकले रामप्रवेश यादव दोपहर तक घर वापस नहीं लौटे तो परिजनों की चिंता बढ़ने लगी। करीब 12 बजे तक उनके घर नहीं पहुंचने पर परिवार के सदस्यों ने ग्रामीणों के साथ उनकी तलाश शुरू कर दी। जानकारी मिली कि वह मोटरसाइकिल लेकर खेत की ओर गए थे। इसके बाद खेतों के साथ-साथ भागड़ और उसके आसपास के इलाकों में भी खोजबीन की जाने लगी।

तलाश के दौरान रामप्रवेश यादव के भागड़ में डूबने की जानकारी मिली। इसके बाद गांव के लोगों ने बिना देर किए पानी में उतरकर उनकी तलाश शुरू कर दी। सुमंत यादव, छोटक दास उर्फ साधु जी, पालखिड़ा गोड़, विनोद यादव और मोटक यादव समेत कई ग्रामीणों ने भागड़ में काफी देर तक खोजबीन की। ग्रामीणों के लगातार प्रयास के बाद करीब दो बजे रामप्रवेश यादव का शव पानी से बाहर निकाला गया। शव मिलते ही घटनास्थल पर परिजनों की चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और परिवार में कोहराम मच गया।

रामप्रवेश यादव अपने पीछे एक पुत्र राजू यादव और चार पुत्रियों को छोड़ गए हैं। परिजनों के अनुसार तीन पुत्रियों की शादी हो चुकी है, जबकि एक पुत्री की शादी अभी बाकी थी। पिता की अचानक मौत से परिवार सदमे में है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ यादव भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कराने के लिए अधिकारियों से बातचीत की। साथ ही भागड़ में लोगों की सुरक्षा और आवागमन को देखते हुए अंचलाधिकारी से नाव उपलब्ध कराने की मांग की। चक्की थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया गया है। वहीं अंचलाधिकारी संगीता कुमारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ अंचल कार्यालय में आवेदन प्राप्त होने के बाद मामले की जांच की जाएगी। नियमानुसार प्रक्रिया पूरी होने पर पीड़ित परिवार के बैंक खाते में राहत राशि भेजी जाएगी। सीओ ने यह भी बताया कि महर्षि श्यामसुंदर दास की मठिया के पास स्थित भागड़ में जल्द ही नाव उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480